लोकशक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 342 | रायपुर | शुक्रवार 12 दिसंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

आरबीआई ने Gold Bonds को भुनाने के लिए 12,801 रुपये का मूल्य तय किया

देश में लॉजिस्टिक लागत घटकर जीडीपी के नौ प्रतिशत पर आ गई :

15 से 18 दिसंबर तक 3 देशों की यात्रा पर मोदी

पहली बार इथियोपिया जाएंगे पीएम

नई दिल्ली : एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 18 दिसंबर 2025 तक 3 देशों की महत्वपूर्ण यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने इस बारे में आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि इस दौरान वे जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान जाएंगे। यात्रा के पहले पड़ाव में पीएम मोदी जॉर्डन के शाह अब्दुल्लाह द्वितीय बिन अल हुसैन के न्योते पर 15-16 दिसंबर को जॉर्डन जाएंगे। वहां वे शाह अब्दुल्लाह द्वितीय से मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के पूरे रिश्तों की समीक्षा करेंगे। यह यात्रा भारत-जॉर्डन राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर हो रही है। इस अवसर पर दोनों देश अपने द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने, नए सहयोग के रास्ते तलाशने और क्षेत्र में अमन, खुशहाली, सुरक्षा व स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराएंगे।

पहली बार इथियोपिया जाएंगे पीएम मोदी - यात्रा के दूसरे पड़ाव में पीएम मोदी इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबिय अहमद अली के निमंत्रण पर 16-17 दिसंबर को इथियोपिया की राजकीय यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी का इथियोपिया का पहला दौरा होगा। वे डॉ. अबिय अहमद अली से विस्तृत बातचीत करेंगे और भारत-इथियोपिया के सभी द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। ग्लोबल साउथ के साझेदार के तौर पर यह यात्रा दोनों देशों की दोस्ती और सहयोग को और गहरा करने का संदेश देगी। वहीं, यात्रा के तीसरे चरण में पीएम मोदी ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के न्योते पर प्रधानमंत्री 17-18 दिसंबर को सल्तनत ऑफ ओमान जाएंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी का ओमान का दूसरा दौरा होगा।

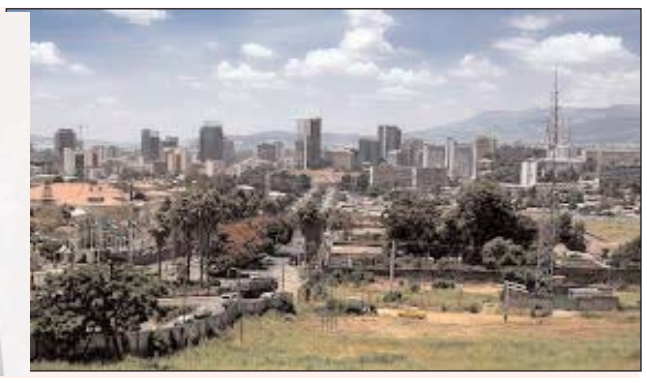

प्रधानमंत्री ने महाकवि सुब्रमण्यम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती को आज उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने कहा कि उनकी कविताओं ने साहस का संचार किया और उनके विचारों में अनगिनत लोगों के मन पर अमिट छाप छोड़ने की शक्ति थी, जिसने भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना जागृत की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि श्री भारती ने एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में कार्य किया और तमिल साहित्य को समृद्ध बनाने में उनका योगदान अतुलनीय है।

प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री प्रणब मुखर्जी को आज उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने श्री मुखर्जी को एक महान राजनेता और असाधारण विद्वतापूर्ण व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उन्होंने दशकों के सार्वजनिक जीवन में अटूट समर्पण के साथ देश की सेवा की।

2023 में भारत आए थे ओमान के सुल्तान बता दें कि भारत और ओमान के बीच सदियों पुराने दोस्ती के रिश्ते, व्यापारिक संबंध और जन-जन के मजबूत संपर्क हैं। दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। यह यात्रा दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरे होने का भी प्रतीक है। दिसंबर 2023 में ओमान के सुल्तान की भारत यात्रा के बाद पीएम मोदी यह दौरा कर रहे हैं। इस दौरान व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा, तकनीक, कृषि और संस्कृति समेत सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी की पूरी समीक्षा होगी। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों नेता अपने विचार साझा करेंगे। माना जा रहा है कि तीन देशों की यह छोटी लेकिन अहम यात्रा भारत की पड़ोस और विस्तारित पड़ोस नीति को मजबूती देगी।

इंडिगो का बड़ा ऐलान :

सभी रद्द उड़ानों के यात्रियों को मिलेगा 20,000 तक का मुआवजा और वाउचर

एजेंसी

दिल्ली। दिसंबर की शुरुआत में अचानक बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के बाद यात्रियों में फैली अफरा-तफरी और बढ़ती शिकायतों को देखते हुए इंडिगो ने अब राहत की घोषणा कर दी है. DGCA की सख्त कार्रवाई के बाद एयरलाइन ने स्वीकार किया है कि परिचालन में आई गड़बड़ियों के कारण यात्रियों को भारी असुविधा हुई. इसी को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने मुआवजा और ट्रैवल वाउचर दोनों देने का निर्णय लिया है.

5,000 से 10,000 रुपये तक नकद मुआवजा

इंडिगो ने बताया कि 3, 4 और 5 दिसंबर को रद्द हुई उड़ानों से प्रभावित यात्रियों को सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार 5,000 रुपये से 10,000 रुपये तक का नकद मुआवजा मिलेगा. राशि का निर्धारण उड़ान की दूरी, टिकट श्रेणी और यात्री को हुई असुविधा के आधार पर किया जाएगा.

सबसे ज्यादा प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपये तक के अतिरिक्त वाउचर

एयरलाइन उन यात्रियों को अलग से राहत देगी जिनकी उड़ानें कई बार रीशेड्यूल हुईं या जिन्हें एयरपोर्ट पर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा. ऐसे यात्रियों को 10,000 रुपये तक के अतिरिक्त ट्रैवल वाउचर उपलब्ध कराए जाएंगे।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश सहित 6 राज्यों में बढ़ी SIR की समय-सीमा, जारी हुआ नया शेड्यूल

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने आज कहा कि वह उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु व मध्य प्रदेश सहित 6 राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की तारीखों में संशोधन कर रहा है. चुनाव आयोग के अनुसार तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश व अंडमान और निकोबार में मतदाता सूची की एसआईआर अनुसूची में संशोधन किया गया है. जो पहले 14 दिसंबर 2025 थी. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए भी समय सीमा बढ़ा दी गई है। नई जमा करने की तिथि 23 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है. जो पहले की 18 दिसंबर 2025 की समय सीमा का स्थान लेगी. उत्तर प्रदेश को अब अपनी SIR रिपोर्ट 31 दिसंबरए 2025 तक जमा करनी होगी।

भैंसथान मैदान में 'विराट हिन्दू सम्मेलन' का हुआ आयोजन

पूज्य संतों के सानिध्य और RSS के श्री अतुल लिमये जी के मार्गदर्शन में एकजुट हुआ समाज

रायपुर। लोकशक्ति हिन्दू जागरण समिति, रामसागर पारा द्वारा गुरूवार दिनांक 11 दिसंबर 2025 को राजधानी रायपुर के हृदय स्थल, अग्रसेन चौक स्थित भैंसथान मैदान में एक विशाल और ऐतिहासिक 'विराट हिन्दू सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समरसता, एकता और सांस्कृतिक चेतना का संचार किया गया। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने और श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ के पूजनीय संत भी मंच पर विराजमान हुए। श्रद्धेय संत महंत श्री रामसुंदर दास जी महाराज और श्रद्धेय संत श्री वेदप्रकाश जी महाराज का विशेष 'आशीर्वचन' समाज को प्राप्त हुआ । संतों के सानिध्य और मार्गदर्शन ने सम्मेलन को एक आध्यात्मिक दिशा प्रदान की ।

टीएमसी सांसद पर ई-सिगरेट पीने का आरोप, अनुराग ठाकुर ने उठाया मुद्दा

संवाददाता

बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने टीएमसी सांसद पर ई-सिगरेट पीने का आरोप लगाया है। इस पर सभापति ने सभी से नियमों का पालन करने की अपील की।

राहुल में सच सुनने की क्षमता नहीं- गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, ÷राहुल गांधी हिट-एंड-रन फॉर्मूला अपनाते हैं, जब प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बोलते हैं, तो वह वॉकआउट कर जाते हैं, यही उनकी डेमोक्रेसी है। उनमें सच सुनने की ताकत नहीं है। कल केंद्रीय गृह मंत्री ने जो कहा, उसे सुनकर उन्हें बुरा लगा। मेरा मानना है कि राहुल गांधी को यह आदत छोड़नी होगी। गृह मंत्री के भाषण से पूरा नेहरू परिवार सकते में आ गया।÷

वंदे मातरम पर चर्चा से युवाओं की समझ विकसित होगी - केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, ÷मुझे खुशी है कि पिछले दो दिनों में हमारे 80 से ज्यादा सांसदों ने वंदे मातरम पर बयान दिए हैं। इससे पता चलता है कि यह टॉपिक हम सभी के लिए कितना समय पर, आज के जमाने का, काम का और गहराई से जुड़ा हुआ है। यह बहस, यह चर्चा, एक और बात याद दिलाती है। जब हम वंदे मातरम पर चर्चा करते हैं, तो आज की युवा पीढ़ी, जिसने आजादी की लड़ाई नहीं देखी और सिर्फ इतिहास के पन्नों में इसके बारे में पढ़ा है, उसे भी इस चर्चा से गहरी समझ मिलेगी, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। जब हम वंदे मातरम की बात करते हैं, तो हम मानते हैं कि यह देश की आत्मा को जगाने का मंत्र है। हम मानते हैं कि यह देश का नया जीवन है, और हम यह भी मानते हैं कि यह देश को फिर से बनाने का आह्वान है। यह मंत्र हम सभी को प्रेरित करता है, हमें अपनी संस्कृति से जुड़ने का मौका देता है और हमें भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित करता है।

कश्मीर में पकड़ा गया चीनी नागरिक ब्लैकलिस्ट, भारत आने के बाद कई संवेदनशील स्थानों पर पहुंचा था

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में बिना अनुमति घूमने पहुंचे एक चीनी नागरिक को सुरक्षा एजेंसियों ने हिरासत में लेने के बाद ब्लैकलिस्ट कर वापस भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चीनी नागरिक हु कॉन्गताई के पास जम्मू-कश्मीर यात्रा के लिए मान्य वीजा नहीं था, इसलिए उसे इमरजेंसी एग्जिट देकर लौटाया गया। वह तीन दिन पहले श्रीनगर के एक स्थानीय होमस्टे से पकड़ा गया था। 29 वर्षीय हु कॉन्गताई बॉस्टन यूनिवर्सिटी से फिजिक्स में ग्रेजुएट है। वह 19 नवंबर को टूरिस्ट वीजा पर भारत आया था। उसके वीजा में केवल वाराणसी, आगरा, दिल्ली, जयपुर, सारनाथ, गया और कुशीनगर जैसे बौद्ध धार्मिक स्थलों की यात्रा की अनुमति थी।

देश | इंडियन कोस्ट गार्ड की कार्रवाई

भारत ने पाकिस्तानी नौका को किया जब्त, 11 लोग भी गिरफ्तार

एजेंसी

भारत के तटरक्षक बल यानी इंडियन कोस्ट गार्ड (ICG) ने बड़ा एक्शन लिया है। भारत की जल सीमा में घुसे पाकिस्तान के एक नाव को जब्त कर लिया गया है। इसके साथ ही नाव पर सवार चालक दल के 11 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी नाव पर सवार लोग भारत की जल सीमा में अवैध रूप से काम कर रहे थे और मछलियां पकड़ रहे थे। सतर्क इंडियन कोस्ट गार्ड ने इस नाव को रोका, इसे जब्त किया और इसपर सवार लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

क्या है पूरा मामला? इंडियन कोस्ट गार्ड ने बताया- ÷10 दिसंबर 2025 को एक त्वरित और समन्वित ऑपरेशन में इंडियन कोस्टगार्ड ने भारतीय जल सीमा के अंदर अवैध रूप से काम कर रहे पाकिस्तानी के एक मछली पकड़ने वाले जहाज को 11 चालक दल के साथ रोका और पकड़ा। यह निर्णायक कार्रवाई ICG की अटूट सतर्कता और भारत की अपनी समुद्री सीमाओं की रक्षा करने और MZI के भीतर अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून को बनाए रखने के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। निरंतर निगरानी और सक्रिय संचालन हमारी समुद्री सुरक्षा रणनीति का आधार बने हुए हैं।

गिरफ्तार लोग पुलिस के हवाले - अधिकारियों ने गुरुवार को जानकारी दी है कि पाकिस्तानी नाव से गिरफ्तार किए गए लोगों को आगे की जांच के लिए गुजरात के जखौ मरीन पुलिस के हवाले कर दिया गया है। गुजरात रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने भी इस घटना के बारे मे जानकारी दी है।

मोदी-ट्रंप की फोन वार्ता : अंतिम दौर में पहुँची भारत-अमेरिका ट्रेड डील

एजेंसी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई गुरुवार की टेलीफोनिक बातचीत ने दुनिया की दो सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक शक्तियों के रिश्तों को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई, जब अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में दो दिनों की व्यापार वार्ता शुरू कर चुका है, और दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित ट्रेड डील अब लगभग अंतिम चरण में पहुँच चुकी है।

राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप से बहुत गर्मजोशी और सार्थक बातचीत हुई। हमने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। भारत और अमेरिका वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।÷ यह वक्तव्य बताता है कि बातचीत सिर्फ औपचारिकता नहीं थी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मौजूदा परिदृश्य में एक अहम संदेश भी था।

यह फोन कॉल ऐसे समय हुआ जब दुनिया पिछले कुछ महीनों में हुए भू-राजनीतिक परिवर्तनों पर बारीकी से नजर रख रही है–खासकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के बाद। विश्लेषकों के लिए यह दिलचस्प है कि पुतिन की दिल्ली यात्रा के तुरंत बाद अमेरिका और भारत के शीर्ष नेतृत्व का यह संपर्क कई संकेतों से भरा माना जा रहा है।

इसी बीच अमेरिकी अधिकारियों ने वाशिंगटन में पुष्टि की कि भारत ने ट्रेड डील के लिए अब तक का ÷सबसे मजबूत प्रस्ताव÷ अमेरिकी पक्ष के सामने रखा है। यह वही डील है जिसके लिए दोनों देश सालों से बातचीत करते रहे हैं, लेकिन बार-बार कुछ तकनीकी और व्यापारिक मतभेद सामने आते रहे। अब, भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने स्पष्ट कर दिया है कि ÷ज्यादातर प्रमुख मुद्दे हल हो चुके हैं÷ और समझौता लगभग तैयार है।

नई दिल्ली में चल रही वार्ताएँ वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में हो रही हैं। चाहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव हो, आपूर्ति श्रृंखला में विघटन हो या कई देशों में चुनावी वर्ष की हलचल–इन सबके बीच भारत और अमेरिका एक स्थिर, पारदर्शी और विकासोन्मुख व्यापार संबंध बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। दोनों देशों की सरकारें इस बात को समझती हैं कि ऐसा समझौता न सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी होगा बल्कि रणनीतिक साझेदारी को भी नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत-अमेरिका संबंधों की प्रकृति आर्थिक से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी का रूप ले चुकी है। रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी साझेदारी, इंडो-पैसिफिक में समन्वय और वैश्विक मंचों पर बढ़ती नजदीकियाँ इस रिश्ते को नए आयाम दे चुकी हैं। ऐसे समय में दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की टेलीफोनिक बातचीत यह संदेश देती है कि संवाद की निरंतरता इन संबंधों की मजबूती का प्रमुख कारक है। सूत्र बताते हैं कि चल रही ट्रेड वार्ता में कृषि, उपकरण शुल्क, मेडिकल डिवाइस, डिजिटल व्यापार और मार्केट एक्सेस जैसे मुद्दों पर महत्वपूर्ण प्रगति हो चुकी है।

ब्रह्मांड का सबसे बड़ा रहस्य सुलझा :

जेम्स वेब टेलीस्कोप ने खोजे 'मॉन्स्टर स्टार्स', सूर्य से 10 हजार गुना भारी थे ये आदिम तारे

वॉशिंगटन,एजेंसी।

ब्रह्मांड की उत्पत्ति और उसके शुरुआती स्वरूप को समझने में जुटे वैज्ञानिकों को जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) के जरिए एक ऐतिहासिक कामयाबी हाथ लगी है। वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में उन विशालकाय आदिम तारों के पक्के सबूत मिल गए हैं, जिन्हें खगोल विज्ञान की दुनिया में 'मॉन्स्टर स्टार्स' या राक्षस तारे कहा जाता है। इस खोज ने पिछले दो दशकों से चली आ रही उस खगोलीय पहेली को सुलझा दिया है जिस पर अब तक केवल कयास लगाए जा रहे थे। माना जाता है कि इन आदिम तारों में से प्रत्येक का वजन हमारे सूर्य से 1,000 से लेकर 10,000 गुना तक ज्यादा रहा होगा और ये बिग बैंग के महज कुछ सौ मिलियन साल बाद ही अस्तित्व में आ गए थे। अब इन तारों की मौजूदगी महज कोरी कल्पना नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक हकीकत बन गई है। इस क्रांतिकारी खोज के लिए हार्वर्ड एंड स्मिथसोनियन सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स और पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक संयुक्त रिसर्च की है, जिसे 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स' में प्रकाशित किया गया है। रिसर्च टीम ने जेम्स वेब टेलीस्कोप की मदद से सुदूर ब्रह्मांड में स्थित आकाशगंगा 'जीएस 3073' (GS-3073) का अध्ययन किया। वैज्ञानिकों ने पाया कि इस आकाशगंगा के अंदर नाइट्रोजन और ऑक्सीजन का एक बेहद खास अनुपात (0.46) मौजूद है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

लोक नृत्य एवं एकांकी में प्रथम स्थान एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग, एकांकी ने प्राप्त किया

पंथी नृत्य में सत के विरासत मुडीयाडीह ने प्रथम एवं सत के महिमा पिथौरा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

चित्रकला प्रतियोगिता में ऋतिक पहारिया, कविता लेखन में गुलशन साव बसना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

महासमुंद। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा जिला स्तरीय युवा महोत्सव 2025- 26 का आयोजन शंकराचार्य सांस्कृतिक भवन एवं डॉ. भीम राव अम्बेडकर मंगल भवन खैरा महासमुंद में आयोजित किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिंहा, येतराम साहू जिलाध्यक्ष, देवी चंद राठी उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद महासमुंद, श्रीमती हुलसी चंद्राकर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पवन पटेल पूर्व पार्षद, राजू चंद्राकर, महेंद्र सिक्का, सरद मराठा, राहुल चंद्राकर, पंकज चंद्राकर, रोशन बग्गा, विकास चंद्राकर, बालक राठी, अभिषेक शर्मा, मनीष शर्मा, आनंद साहू की उपस्थिति में किया गया। लोक गीत में प्रथम स्थान पी जी कॉलेज महासमुंद, द्वितीय स्थान फॉर्चून फाउंडेशन बागबाहरा एवं तृतीय स्थान आई टी आई महासमुंद ने प्राप्त किया। एकांकी नाटक में प्रथम स्थान एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग महासमुंद एवं द्वितीय स्थान आई टी आई महासमुंद ने प्राप्त किया।रॉक बैंड में प्रथम स्थान जावेद कुरैशी एवं साथी बागबाहरा (इरादे द बैंड) ने प्राप्त किया। कहानी लेखन में प्रथम स्थान रेशम लाल पटेल पिथौरा, द्वितीय स्थान सुषमा साहू महासमुंद एवं तृतीय स्थान हेमा साहू लाफिनखुर्द महासमुंद ने प्राप्त किया। कविता लेखन में प्रथम स्थान गुलशन साव बसना, द्वितीय स्थान सिंधु जगत एवं तीसरा स्थान ऋचा चंद्राकर ने प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऋतिक पहारिया महासमुंद, द्वितीय स्थान कुलेश्वर साहू महासमुंद एवं तृतीय स्थान अजय कुमार ध्रुव पी जी कॉलेज महासमुंद ने प्राप्त किया। इसी तरह पंथी नृत्य में प्रथम स्थान सत्य के विरासत मुडीयाडीह बागबाहरा, द्वितीय स्थान सत के महिमा गड़बेड़ा पिथौरा, तृतीय स्थान महर्षि विद्या मंदिर महासमुंद ने प्राप्त किया। वाद विवाद में प्रथम स्थान नुसरत फातिमा एवं डिंपल डड़सेना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोक नृत्य में प्रथम स्थान एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग महासमुंद ने प्राप्त किया। साइंस मेला में प्रथम स्थान गरिमा कन्नौजे पिथौरा, द्वितीय स्थान कु.परिणीता चंद्राकर एवं हिना साहू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पारंपरिक वेशभूषा में प्रथम स्थान चांदनी साहू लाफिनखुर्द, द्वितीय स्थान हर्षिता दीवान आई टी आई महासमुंद, तीसरा स्थान श्रेया पाटकर आई टी आई महासमुंद ने प्राप्त किया। सुवा नृत्य में प्रथम स्थान आई टी आई महासमुंद ने प्राप्त किया।आयोजन को सफल बनाने में जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरें, माई भारत वसुंधरा साहू जिला युवा अधिकारी महासमुंद, दिलीप लहरे खेल अधिकारी पी जी कॉलेज महासमुंद, रोहित कोसरिया (देव दास बंजारे सम्मान राज्य अलंकरण से सम्मानित) सुरेन्द्र मानिकपुरी, अवनीश वाणी, वी के असगर, उमेश भारती गोस्वामी, डॉ. विकास अग्रवाल, चमन लाल चंद्राकर, अमित हिषिकर, द्रोपति साहू, अंकित भोई, सपना प्रधान।

शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत जिले तथा शहर के विकास के लिए सभी अधिकारी प्रतिबद्धतापूर्वक करें कार्य : कलेक्टर

राजनांदगांव । कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी अभियान अंतर्गत अवैध धान के परिवहन को रोकने के लिए कोचियों एवं बिचौलियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए सभी एसडीएम ने अच्छा कार्य किया है। आगे भी इसी ऊर्जा को बनाए रखते हुए सक्रियतापूर्वक कार्य करना है। उन्होंने कहा कि किसानों के धान खरीदी के बाद रकबा समर्पण कार्य में गति लाएं। शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत शहर तथा जिले के विकास के लिए सभी अधिकारी प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य करें। उन्होंने नगर निगम अंतर्गत नवनिर्मित और निर्माणाधीन कार्यों तथा शहर में किए गए नवाचार के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने शहर की सड़के, फ्लाई ओव्हर, डिवाईडर, जल प्रदाय, भविष्य की संभावनाओं के दृष्टिगत सिटी डेवलपमेंट प्लॉन, सौंदर्यीकरण एवं पौधरोपण की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने उद्यानों की मरम्मत उद्योगों को करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग अंतर्गत महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की भौतिक स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए तथा भवन निर्माण की गुणवत्ता, सीसी रोड निर्माण, सड़कों की गुणवत्ता की स्थितियों की जांच करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इससे कार्यों की गुणवत्ता के प्रति जवाबदेही तय होगी। उन्होंने जिला पंचायत अंतर्गत मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास अंतर्गत पोट्टु लईका पहल अंतर्गत बच्चों के सुपोषण के लिए अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। पोषण पुर्नवास केन्द्रों के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए कहा।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने साप्ताहिक समय सीमा के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा कि आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें तथा न्यायसंगत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पैतृक संपत्ति में हिस्सा, स्वामित्व योजना, भू-बंटन प्रकरणों की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि विगत एक सप्ताह में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत अच्छा कार्य किया गया है। इसके साथ ही जिले में आयुष्मान वय वंदन कार्ड तथा आयुष्मान कार्ड बनाने में उपलब्धि हासिल की है। ऐसे हॉस्पिटल जहां जनसामान्य को आयुष्मान कार्ड का लाभ नहीं मिल रहा है, उन पर कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग को आगे बढ़ाएं तथा उन्होंने आर्थिक दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करें। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बने एवं परिवर्तन दिखाई दें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिक से अधिक सोलर पैनल लगवाने के लिए जनमानस को प्रेरित करें।

छोटे देवड़ा में जमीन पर कब्जे को लेकर तनाव के हालात, सरकारी जमीन कर दी गई बाहरी लोगों के नाम पर

बकावंड,संवाददाता

विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में जमीन विवाद अब विस्फोटक रूप लेता जा रहा है। यहां शासकीय जमीन पर कुछ लोग कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीण इस कृत्य का पुरजोर विरोध कर रहे हैं।छोटे देवड़ा में सालों से चले आ रहे जमीन विवाद ने 9 दिसंबर को गंभीर रूप ले लिया। ग्रामवासियों के अनुसार पंचायत क्षेत्र की शासकीय भूमि को कुछ व्यक्तियों द्वारा निजी जमीन बताकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। इसे लेकर पर पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में स्थित खसरा नंबर 356/2 की जमीन को उमेंद्र सिंह पिता विजयपाल सिंह निवासी जगदलपुर से संबंधित बताया गया है। इसी तरह खसरा नंबर 365 की जमीन को युलता मांझी पिता डमरू मांझी निवासी जगदलपुर से संबंधित बताया जा रहा है। इसके अलावा खसरा नंबर 1493/1 की जमीन को सविता गुप्ता पिता उमेश गुप्ता निवासी धनपूंजी एवं खसरा नंबर 1493/2 की जमीन को सुषमा बुरड़ पिता सुरेश कुमार बुरड़ निवासी धनपूंजी का बताया जा रहा है। इसी को लेकर विवाद की स्थिति बन गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इन जमीनों को निजी संपत्ति बताने के प्रयास में राजस्व निरीक्षक प्रेम झा बिना ग्राम पंचायत को सूचना दिए जमीन नापने के लिए स्थल पर पहुंचे। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। जैसे ही गांव वालों को नाप-जोख की खबर लगी, सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण अपने घर-द्वार छोड़कर मौके पर इकठ्ठा हो गए। सरपंच, उप सरपंच, जनपद सदस्य, वार्ड पंच सहित महिला-पुरुष सभी ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचकर जोरदार विरोध दर्ज कराने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन सालों से शासकीय भूमि है, हम सब इससे जुड़े हुए हैं। बिना सूचना, बिना पंचायत की अनुमति इस प्रकार नाप-जोख करना गलत है। ग्रामवासियों ने शासन प्रशासन पर दबाव बनाते हुए स्पष्ट कहा कि उनके हक-अधिकारों से जुड़ी इस भूमि पर किसी भी तरह की हेराफेरी या गैर-कानूनी नाप-जोख को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।ग्रामीणों के जबरदस्त विरोध को देखते हुए प्रशासनिक अमले को हस्तक्षेप करना पड़ा। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच हो और बिना अनुमति किए गए नाप-जोख को तत्काल रोका जाए। ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में यह मामला अब चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

राजनांदगांव, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार स्थापना हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण प्रदाय किया जाता है। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत विनिर्माण क्षेत्र (निर्माण कार्य) हेतु अधिकतम 3 लाख रूपए एवं सेवा क्षेत्र के लिए 1 लाख रूपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। बैंक द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट राशि का 35 प्रतिशत अनुदान राशि दिया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए 18 वर्ष से 45 वर्ष आयु वर्ग के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के हितग्राही समूह एवं व्यक्ति कार्यालय छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड राजनांदगांव द्वारा जिला पंचायत राजनांदगांव में प्रस्तुत कर सकते है। आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता 5वीं उत्तीर्ण, सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापित जाति व निवासी प्रमाण पत्र, सरपंच या नगर पंचायत अध्यक्ष से प्रमाणित अनापत्ति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, दो फोटो पासपोर्ट साइज, प्रोजेक्ट रिपोर्ट सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों प्रस्तुत करना होगा। कार्यालय द्वारा प्रस्तुत आवेदन को स्वीकृति के लिए संबंधित बैंक को प्रेषित किया जाएगा।

मद्य निषेद्य दिवस 18 को

राजनांदगांव (आरएनएस)। बाबा गुरू घासीदास जयंती पर 18 दिसम्बर को मद्य निषेद्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा। मद्य निषेद्य दिवस पर समुदाय की सहभागिता से नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ कार्यक्रम, विभागों के समन्वय से नशापान के विरूद्ध समुचित कार्रवाई, नशापान के दुष्परिणामों की जानकारी देने सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

बुढ़ापे का सहारा बनी प्रधानमंत्री आवास योजना : नियद नेल्लानार ग्राम चिपुरभट्टी में पहली बार बना पक्का घर

बीजापुर। अंधकार कितना भी गहरा हो, आशा की एक किरण उसे मिटा देती है। इसी कहावत को चरितार्थ किया है उसूर विकासखंड के नक्सल प्रभावित नियद नेल्लानार ग्राम चिपुरभट्टी की 74 वर्षीय रामबाई ने, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ने नई रोशनी भर दी है।

वर्षों से नक्सली दहशत झेल रहे इस गांव में सरकारी योजनाएँ लागू होना मुश्किल था। न तो विकास कार्य हो पाते थे और न ही कोई निर्माण। लेकिन नियद नेल्लानार कार्यक्रम की शुरुआत के साथ ही हालात बदले, और पहली बार गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनने का रास्ता खुला।

रामबाई को मिला पहला पक्का आवास, जीवन में लौटी मुस्कान

बुजुर्ग रामबाई ने अपने दो पुत्रों को बीमारी के कारण खो दिया था। बहू और चार पोतों की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। टूटी-फूटी झोपड़ी में रहकर जीवन संघर्ष बन गया था।

रामबाई बताती हैं–

सोचा नहीं था कि हमारे जीवन में भी कभी खुशी आएगी। माओवादी दहशत से गांव में कोई काम नहीं होता था। वित्तीय वर्ष 2024ङ्क25 में जब 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि से पीएम आवास स्वीकृत हुआ, तो ऐसा लगा जैसे जीवन में नई उम्मीद मिल गई।

आज उनका पक्का घर बनकर तैयार हो चुका है और यह गांव का पहला स्वीकृत और पूर्ण हुआ आवास है। वे इसे बुढ़ापे का सबसे बड़ा सहारा बता रही हैं।

लखमू पनिक को भी मिला आवास, बदले हालात

इसी क्रम में गांव के लखमू पनिक को भी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृत हुआ है। पत्नी के निधन के बाद उन्होंने अकेले बेटे की परवरिश की और 2 एकड़ जमीन में खेती कर परिवार को संभाला। आज उनका बेटा विवाहित है और घर में पोते के कदमों की खुशियाँ हैं।

लखमू बताते हैं–

सरकार की मदद से अब हमारे पास भी पक्का घर होगा। यह सिर्फमकान नहीं, बल्कि हमारे परिवार की सुरक्षा और सम्मान है।

नक्सल प्रभावित गांव में विकास की नई शुरुआत

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले इन दो आवासों ने न सिर्फदो परिवारों का जीवन बदला है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की रोशनी लगातार फैल रही है। नियद नेल्लानार कार्यक्रम ने इस बदलाव को नई रफ्तार दी है।

जिले में मनाया जाएगा सुशासन सप्ताह - कलेक्टर, प्रशासन गांवों की ओर

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में लोगों की समस्याओं का किया जाएगा निराकरण

1 लाख 15 हजार से अधिक बच्चों को प्लस पोलियों की खुराक पिलाई जाएगी

जशपुर । कलेक्टर रोहित व्यास ने मंगलवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, मुख्यमंत्री की घोषणा और कलेक्टर जनदर्शन के आवेदनों का निराकरण गंभीरता से करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि आगामी 19 से 25 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा जहां प्रशासन गांवों की और के तहत जिला स्तरीय शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा ?।

कलेक्टर ने कहा कि अब प्रत्येक माह चिन्हांकित गांवों में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर और विकास खंड स्तर पर भी शिविर लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

कलेक्टर ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को देने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने बताया कि आगामी 21 दिसम्बर से प्लस पोलियो अभियान चलाया जाएगा जहां सभी 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियों खुराक पिलाएं जाना है। उन्होंने कहा कि

कांइं भां पात्र बच्चा छुटने न पाए इसका विशेष ध्यान रखें।

जिले के लगभग 1 लाख 15 हजार से अधिक बच्चों को प्लस पोलियों पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार साहू और जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

गौधाम समितियों की पहली बैठक में हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय, पशुओं के संरक्षण, पराली प्रबंधन और चारा सुरक्षा पर विशेष जोर

कोरिया । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जिला एवं विकासखंड स्तरीय गौधाम समितियों की पहली बैठक में जिले भर से आए अध्यक्षों, सदस्यों और अधिकारियों ने महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक विमर्श किया। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा.तथा गौधाम जिला अध्यक्ष रेवा यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बनाए जाएंगे गौधाम

बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले में पहले चरण में उन ग्रामीण क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास स्थित हैं, ताकि निराश्रित एवं घूमन्तू मवेशियों को सुरक्षित रूप से गौधामों में रखा जा सके।

पशुपालन विभाग को निर्देश दिए गए कि गौधामों में शेड, पानी, बिजली, सुरक्षित बाड़ा सहित सभी मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएं। मवेशियों की नियमित देखभाल एवं स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की जाए।

कलेक्टर ने सभी सरपंचों और जनप्रतिनिधियों से घूमन्तू मवेशियों को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाने में सहयोग का आग्रह किया।

अवैध पशु तस्करी पर सख्त निगरानी

पुलिस अधीक्षक कुर्रे ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अंतर्राज्यीय सीमाओं और राष्ट्रीय राजमार्गों से होकर पशुओं की अवैध तस्करी की घटनाएँ सामने आती रहती हैं। उन्होंने गौधाम समितियों और ग्रामीणों से अपील की कि संदिग्ध वाहनों या घटनाओं की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस थाने में दें ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

गौधाम जिला अध्यक्ष रेवा यादव ने विशेष रूप से किसानों से आग्रह किया कि धान कटाई के बाद खेतों में बची पराली को किसी भी स्थिति में न जलाएँ।उन्होंने बताया कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है,.मिट्टी की उर्वरता कम होती है, खेतों के लाभकारी जीव नष्ट होते हैं.और पशुओं के लिए उपलब्ध चारे की भारी कमी उत्पन्न हो जाती है।पैरा ग्रामीण कृषि-पशुपालन का मुख्य आधार है, इसलिए किसानों को इसे गौधाम, गौठानों और गौशालाओं में उपलब्ध कराने की अपील की गई।राज्य शासन ने पराली जलाने पर सख्त प्रतिबंध, जुर्माना और विधिक कार्रवाई का प्रावधान किया है। कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 (संशोधित 2011) तथा नियम 2014 के तहत इस प्रकार का दहन दंडनीय अपराध है। छत्तीसगढ़ सात राज्यों की सीमाओं से घिरा राज्य है, जहाँ राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं। अंतर्राज्यीय आवागमन के कारण अवैध पशु परिवहन की घटनाएँ होती हैं।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत जिला मुख्यालय से ग्राम छतोड़ी तक बस सेवा शुरू

10 गांव के ग्रामवासियों को मिलेगी सुलभ परिवहन की सुविधा

कोंडागांव । जिले के ग्रामीण अंचल को जिला मुख्यालय से जोड़ने और आम नागरिकों को सुलभ यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के द्वितीय चरण में आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्चुअली 180 गांवों के लिए बसों का शुभारंभ किया। कोंडागांव जिले में भी जिला कार्यालय परिसर से कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई एवं अनिल अग्रवाल, ग्राम छत्तोडी के सरपंच सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में जिला मुख्यालय से ग्राम छतोड़ी तक बस सेवा का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में सुदृढ़ परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य मंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ किया गया है ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए गांवों से जिला मुख्यालय तक आमजन को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अतुल असैया ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के द्वितीय चरण में आज कोंडागांव जिला मुख्यालय से 64 किलोमीटर दूर माकड़ी ब्लॉक के ग्राम छतोड़ी तक बस सेवा की शुरुआत हुई है। इस सेवा के शुरू हो जाने से करमारी, नेवरा, क्षमतापुर, बड़े सोहगां, बेड़ा गांव, हिरला भाठ, बीजापुर, अमरावती, मालेगांव, बुटरा पारा, चिपावंड, मुलमुला, पीकरभाटा, नेवता, बफ्ना और पलारी के ग्रामवासियों को सुलभ आवागमन की सुविधा मिलेगी। इससे दूरस्थ अंचलों के हजारों ग्रामीणों को सीधी परिवहन सुविधा मिलेगी और जिला मुख्यालय तक उनकी पहुंच आसान होगी।कार्यक्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, बस संचालक दिनेश कुमार जैन और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

शहीद वीर नारायण सिंह का बलिदान, आत्मगौरव, संघर्ष और स्वाभिमान का प्रतीक - मुख्यमंत्री साय

नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, सियान सदन और मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना अंतर्गत बस सेवा प्रारंभ करने की घोषणा

101 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

मुख्यमंत्री सोनाखान में आयोजित शहीद वीर नारायण सिंह की शहादत दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हुए शामिल

रायपुर, 10 दिसम्बर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि शहीद वीर नारायण सिंह का बलिदान छत्तीसगढ़ के आत्मगौरव, संघर्ष और स्वाभिमान का अमर प्रतीक है। वे आज सोनाखान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश के प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह को नमन करने पहुंचे, जहां उन्होंने शहीद के वंशजों को सम्मानित किया और क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। मुख्यमंत्री ने सोनाखान में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना अंतर्गत बस सेवा प्रारंभ करने, नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण हेतु 75 लाख रुपये, सियान सदन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये तथा मड़ई मेला स्थल में शौचालय निर्माण के लिए 20 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सोनाखान में इको-टूरिज्म विकास और सड़क निर्माण हेतु आवश्यक प्रावधान आगामी बजट में शामिल किए जाएंगे जिससे इस ऐतिहासिक स्थल को नई पहचान मिलेगी और स्थानीय लोगों को रोजगार एवं सुविधाओं में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह अंग्रेजी शासन के अत्याचार के विरुद्ध गरीबों, किसानों और वंचित समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़े हुए एक ऐसे वीर सपूत थे, जिन्होंने भीषण अकाल के समय गरीबों में अनाज बांटकर मानवता की ऐतिहासिक मिसाल पेश की। अंग्रेजी हुकूमत ने 10 दिसंबर 1857 को उन्हें फांसी दे दी, किंतु उनका बलिदान सदियों से संघर्ष, स्वाभिमान और अन्याय के प्रतिकार की प्रेरणा देता आया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'गारंटी' के तहत अधिकांश वादों को पूरा किया है और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर काम कर रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि आज ही के दिन अंग्रेजी हुकूमत ने रायपुर के जयस्तंभ चौक में वीर नारायण सिंह को फांसी दी थी। वे अन्याय के खिलाफसंघर्ष करते हुए शहीद हुए और उनका बलिदान पीढ़ियों तक लोगों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि विकास और कल्याण के लिए सरकार सतत् कार्यरत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुल 101.44 करोड़ रुपये की लागत के 119 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण के 10 हितग्राहियों को घरों की चाबियाँ सौंपी तथा 'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम के अंतर्गत 37 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। आदिवासी समाज के पाँच प्रतिभावान छात्रों को भी मंच पर सम्मानित किया गया। समारोह में वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े तथा शहीद वीर नारायण सिंह के वंशज राजेंद्र दीवान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जिन कार्यों का लोकार्पण किया गया उनमें ग्राम ओड़ान, खरतोरा, सकरी

सफाई कर्मकार उपकरण सहायता योजना

श्रम विभाग ने हितग्राहियों से अपडेटेड बैंक विवरण प्रस्तुत करने की अपील की सूची जारी

रायपुर । श्रम विभाग के छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल द्वारा संचालित सफाई कर्मकार हेतु आवश्यक उपकरण सहायता योजना के अंतर्गत चयनित 12 हितग्राहियों के बैंक खातों में 1 हजार रूपए की डीबीटी राशि तकनीकी कारणों से जमा नही हो पाई है। विभाग के सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि पंजीयन के समय दर्ज बैंक खाता नंबर गलत होने, बैंक खाता बंद/मर्ज होने अथवा आइएफएससी कोड में परिवर्तन जैसे कारणों से भुगतान नही हो सका है। साथ ही पंजीयन कार्ड में दर्ज मोबाइल नंबर एवं पते पर भी हितग्राहियों से संपर्क नहीं हो पाया है। योजना के 12 हितग्राही जिनका नाम और पंजीयन क्रमांक- रामेश्वर सिंग विश्वकर्मा (442668778), ममता समुन्द्रे (444439714), सुमन लंगोटे (444439725), सुनीता समुन्द्रे(444494816), वर्षा पसेरिया (444338110), प्रतिभा नायक (444597013), अंबिका यादव (441849755), सीमा साहू (442076245), लायबानी बरिहा (441243547), वनशीला तांडेकर (441727452), दीपक कुमार मानकर (441239144), चन्द्रिका देवांगन (447202013) शामिल हैं। इन सभी हितग्राहियों से 15 दिनों के भीतर अपने वर्तमान सक्रिय बैंक खाते (आधार लिंक अनिवार्य) का विवरण लेकर कार्यालय में उपस्थित होने अनिवार्य है, ताकि योजना राशि समय पर उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही निर्धारित अवधि के भीतर विवरण प्रस्तुत न करने पर आवेदन निरस्त माना जाएगा। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित हितग्राही की होगी। साथ ही निर्धारित अवधि के भीतर विवरण प्रस्तुत न करने पर आवेदन निरस्त माना जाएगा। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित हितग्राही की होगी।

मुखिबरी की खबर पर पुलिस तीन गांजा तस्करी को किया गिरफ्तार

मुखबीर द्वारा बताये चारपहिया वाहन कार को आता देखकर रूकवाया गया। वाहन में 3 व्यक्ति सवार थे

रायपुर । रायपुर जिले की अभनपुर पुलिस ने गांजा तस्करी करते 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 750 ग्राम गांजा जप्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि चार पहिया वाहन में सवार कुछ व्यक्ति वाहन में गांजा रखकर अभनपुर की ओर आ रहे है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना अभनपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना अभनपुर क्षेत्रांतर्गत चण्डी मोड़ अभनपुर तिराहा के पास आरोपियों को पकड़ने हेतु नाकेबंदी पाईंट लगाया गया। इसी दौरान मुखबीर द्वारा बताये चारपहिया वाहन कार को आता देखकर रूकवाया गया। वाहन में 3 व्यक्ति सवार थे जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम भूषण चंदेल, पवन मनहरे एवं जितेन्द्र दशरिया निवासी दुर्ग का होना बताया गया। टीम के सदस्यों द्वारा उनके वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में अलग - अलग पैकेटों में गांजा रखा होना पाया गया।

जिस पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 15 किलो 750 ग्राम गांजा कीमती लगभग 7,95,000 रूपये तथा गांजा तस्करी में प्रयुक्त स्वीफ्ट डिजायर कार क्रमांक सी जी 27 के 5068 एवं 03 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 13,25,000 रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना अभनपुर में धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

मामले में पुलिस ने भूषण चंदेल पिता परदेशी राम चंदेल उम्र 28 वर्ष निवासी दुर्गा मंदिर के पास आर्या नगर कोहका थाना सुपेला जिला दुर्ग।,पवन मनहरे पिता स्व0 रामखिलावन मनहरे उम्र 39 वर्ष निवासी कृष्णा नगर गणेश चौक दुर्गा मंदिर के पास थाना सुपेला जिला दुर्ग तथा जितेन्द्र दशरिया पिता भोजराज दशरिया उम्र 20 वर्ष निवासी ईदगाह चौक जुनवानी रोड चौकी स्मृति नगर थाना सुपेला जिला दुर्ग को गिरफ्तार किया है

महाराजबंध तालाब में ग्रीन आर्मी की बड़ी पहल — जैसा कहा था, वैसा किया।

रायपुर। संवाददाता

शहर की धरोहर महाराजबंध तालाब को स्वच्छ और संरक्षित करने के लिए आज ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ ने व्यापक सफाई अभियान शुरू किया। पूर्व घोषणा के अनुसार 11 दिसम्बर की सुबह तालाब परिसर में संगठन के सदस्य नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ जुटे। दल ने तालाब की सतह पर तैर रहे पॉलीथिन, प्लास्टिक, जलकुंभी और कचरा हटाया, लगभग एक ट्रैक्टर भरकर कचरा बाहर निकाला गया। स्थानीय पार्षद और नागरिकों ने अभियान की सराहना की और नियमित सहयोग का आश्वासन दिया।

स्थानीय नागरिकों ने तालाब की बिगड़ती दशा से उत्पन्न असंतोष व्यक्त करते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी दिखाई। पुरानी बस्ती ज़ोन के अध्यक्ष चेतन पटेल और महिला विंग अध्यक्षा दुर्गा जैन ने बताया कि यह अभियान प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे जारी रहेगा और तब तक रुकेगा नहीं जब तक तालाब पूरी तरह स्वच्छ नहीं हो जाता।

अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने और जागरूकता फैलाने के लिए ग्रीन आर्मी द्वारा 1000 पंपलेट वितरित किए जा रहे हैं। ब्लू विंग अध्यक्षा भारती श्रीवास्तव ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल सफाई नहीं बल्कि समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, और महिलाओं, युवाओं और बच्चों की भागीदारी से मुहिम और मजबूत होगी। प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे ने कहा, ÷यह मुहिम केवल सफाई का अभियान नहीं, बल्कि पर्यावरण बचाने का संकल्प है। इसकी पूरी जानकारी पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक पहुँचाई जाएगी।÷ रायपुर जिला अध्यक्ष गुरदीप टुटेजा ने कहा, ÷तालाब हमारे शहर की धरोहर है। इसे बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।÷ वहीं, ब्लू विंग अध्यक्षा भारती श्रीवास्तव ने जोड़ा, ÷महिलाओं की सहभागिता हर बड़े आंदोलन को सफल बनाती है। हम घरङ्घर जाकर लोगों को जोड़ेंगे और स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाएंगे।÷ ग्रीन आर्मी ने सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे तालाब संरक्षण में सक्रिय रूप से सहयोग करें और इस मुहिम से जुड़ें।

5 टीआई समेत 9 निरीक्षकों का तबादला

रायपुर। पुलिस विभाग में 5 थाना प्रभारियों समेत कुल 9 निरीक्षकों के स्थानांतरण किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह द्वारा जारी आदेश में 5 थाना प्रभारियों समेत कुल 9 निरीक्षकों के स्थानांतरण किए गए हैं। इनमें 7 निरीक्षकों को नई पदस्थापना दी गई है, जबकि 2 निरीक्षकों को रक्षित केंद्र भेजा गया है।जारी सूची के अनुसार परेश पांडेय को क्राइम ब्रांच से हटाकर खम्हारडीह थाना प्रभारी बनाया गया है। सचिन सिंह को क्राइम ब्रांच का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। थाना प्रभारी राजेश सिंह को खमतराई थाना का प्रभार सौंपा गया है। नरेंद्र कुमार मिश्रा को राजेंद्र नगर थाना और अविनाश सिंह को तेलीबांधा थाना भेजा गया है। यातायात प्रभारी हरित कुमार साहू को आरंग थाना की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि ढालूदास मानिकपुरी को रक्षित केंद्र से यातायात विभाग में पदस्थ किया गया है।

फसल पौधों में जैविक तनाव प्रबंधन के लिए नई रणनीतियां पर राष्ट्रीय सम्मेलन

एजेंसी

÷ भाकृअनुप- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट (एनआईबीएसएम) , रायपुर

÷फसल पौधों में जैविक तनाव प्रबंधन के लिए नई रणनीतियों÷ पर राष्ट्रीय सम्मेलन आज, 11 दिसंबर 2025 को आईसीएआर-एनआईबीएसएम, रायपुर में शुरू हुआ। यह कार्यक्रम इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी (आईपीएस) और बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट सोसाइटी (बीएसएमएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है।

शुरुआत में, डॉ. के. के. मंडल, उपाध्यक्ष, बीएसएमएस और जेडीआर, आईसीएआर-एनआईबीएसएम ने बीएसएमएस के अध्यक्ष, डॉ. पी. के. राय, निदेशक, आईसीएआर-एनआईबीएसएम और विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य अतिथि, आईजीकेवी के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने टिकाऊ और

किसान-केंद्रित जैविक तनाव प्रबंधन समाधान प्रदान करने के लिए अनुसंधान-विस्तार संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि, डॉ. एन. कृष्ण कुमार, पूर्व डीडीजी (बागवानी), भाकृअनुप ने भारतीय कृषि में उभरती जैविक चुनौतियों का समाधान करने के लिए उन्नत जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों को एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला। सम्मानित अतिथि, इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी (आईपीएस) के डॉ. मलखान सिंह गुर्जर ने कहा कि इस सम्मेलन जैसे सहयोगी वैज्ञानिक मंच लचीली और जलवायु के लिए तैयार फसल उत्पादन प्रणाली विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आईसीएआर-एनआईबीएसएम के निदेशक और बीएसएमएस के अध्यक्ष डॉ. पी. के. राय ने की, जिन्होंने उभरते जैविक तनावों को दूर करने के लिए नवीन और पर्यावरण के अनुकूल रणनीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्लांट पैथोलॉजी में सबसे पुरानी पेशेवर सोसायटी आईपीएस और नवगठित बीएसएमएस के बीच सहयोग राष्ट्रीय अनुसंधान पहल को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. राय ने कहा कि बीएसएमएस का यह पहला राष्ट्रीय सम्मेलन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और विश्वास व्यक्त किया कि विचार-विमर्श फसल लचीलापन बढ़ाने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। सह-अध्यक्ष डॉ. के. के. मंडल, जेडीआर, आईसीएआर-एनआईबीएसएम और उपाध्यक्ष, बीएसएमएस ने जैविक तनाव प्रबंधन पर अनुसंधान को आगे बढ़ाने में वैज्ञानिक नेटवर्किंग और ज्ञान-साझाकरण के महत्व को रेखांकित किया। ÷बैक्टीरियल ब्लाइट रोगज़नक़, ज़ैंथोमोनास ओरिज़ा पीवी में एंटीबायोटिक प्रतिरोध का उद्भव÷ शीर्षक से एक तकनीकी बुलेटिन जारी किया गया। सुशील के. शर्मा और उनके सहयोगियों द्वारा लिखित 'ओरिजा एंड राइस फाइलोस्फीयर-एसोसिएटेड स्फिंगोमोनास इन छत्तीसगढ़' का विमोचन सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

कोयला घोटाला मामले में नवनीत तिवारी को सुप्रिम कोर्ट से मिली जमानत

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला घोटाला मामले में नवनीत तिवारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मुख्य न्यायाधीश सुर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने उन्हें जमानत प्रदान कर दी है। नवनीत घोटाले के मास्टरमाइंड सूर्यकांत तिवारी का रिश्तेदार है जो कि पिछले चार महीने से मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के आरोपों में सेंट्रल जेल रायपुर में बंद है।

बात दें कि ईडी और ईओडब्ल्यू की जांच में नवनीत को अवैध कोल लेवी सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य बताया गया है। आरोप है कि वह रायगढ़ जिले में कोल व्यवसायियों और ट्रांसपोर्टरों से करोड़ों रुपये की अवैध वसूली करता था और यह रकम नियमित रूप से रायपुर पहुंचाई जाती थी। जांच एजेंसियों ने यह भी दावा किया है कि नवनीत ने सूर्यकांत तिवारी की बेनामी संपत्तियों के प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईडी ने नवनीत को 2022 में इस हाई-प्रोफाइल केस में आरोपी बनाया था। इसके बाद वह लगातार फरार रहा। जुलाई 2025 में ईओडब्ल्यू ने उसे गिरफ्तार किया। मामले में गिरफ्तारी का सिलसिला तेज होने पर वह अन्य आरोपियों के साथ भूमिगत हो गया था।

छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप संस्कृति को नई उड़ान : टेकस्टार्स स्टार्टअप वीकेंड का सफल आयोजन, युवाओं को मिला वैश्विक मंच

रायपुर। छत्तीसगढ़ में युवाओं के नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को मजबूत आधार देने की दिशा में धमतरी जिले ने ऐतिहासिक पहल की है। विश्वस्तरीय स्टार्टअप एक्सीलरेटर टेकस्टार्स के सहयोग से जिला प्रशासन धमतरी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 28 से 30 नवंबर 2025 तक तीन दिवसीय टेकस्टार्स स्टार्टअप वीकेंड धमतरी का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन पहली बार प्रदेश के किसी गैर-महानगरीय जिले में आयोजित हुआ, जिसने धमतरी को उभरते स्टार्टअप हब के रूप में नई पहचान दिलाई है। स्टार्टअप वीकेंड में 100 से अधिक युवा प्रतिभागियों, 50 संभावित स्टार्टअप टीमों, 20 अनुभवी मेंटर्स और 10 से अधिक निवेशकों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को 54 घंटों तक सतत कार्य करते हुए अपने विचारों को निवेश योग्य मॉडल में बदलने, बिजनेस मॉडल बनाने, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केट

एनालिसिस, पिच डेक निर्माण और स्केलिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। मेंटर्स ने टेक्नोलॉजी, फूड प्रोसेसिंग, एग्री-इनोवेशन, हेल्थकेयर, ई-कॉमर्स, पर्यटन, डिजिटलीकरण और एंटरटेनमेंट सेक्टर के स्टार्टअप आइडियाज पर विशेष मार्गदर्शन दिया। कई अभिनव विचार निवेशकों की विशेष रुचि का केंद्र बने। जिला प्रशासन की पहल–धमतरी को स्टार्टअप मैप पर स्थापित करने का लक्ष्य जिला कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आयोजन को धमतरी के नवाचार तंत्र के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य है कि धमतरी के युवाओं को बड़े शहरों जैसी सभी स्टार्टअप सुविधाएँ और अवसर यहीं मिलें। स्टार्टअप वीकेंड ने सिद्ध किया कि यहां के युवा न केवल रचनात्मक हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखते हैं। यह आयोजन आगे भी प्रत्येक वर्ष जारी रहेगा, जिससे जिले में उद्यमिता का मजबूत इकोसिस्टम स्थापित होगा एआईसी महिंद्रा के सीईओ और कार्यक्रम फैसिलिटेटर इस्माइल अकबानी ने इसे छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे बड़ा और सुव्यवस्थित स्टार्टअप वीकेंड बताया। ग्लोबल एक्सीलरेटर टेकस्टार्स से स्थानीय प्रतिभाओं को लाभ टेकस्टार्स के बारे में जानकारी देते हुए विकासगढ़ के संस्थापक मेराज मीर ने बताया कि 2006 से विश्वभर में स्टार्टअप्स को गति देने वाले इस प्लेटफॉर्म की विशेषज्ञता अब सीधे धमतरी के युवाओं तक पहुंच रही है, जिससे उन्हें व्यापक नेटवर्किंग और निवेश अवसर मिलेंगे। जिला प्रशासन ने बताया कि स्टार्टअप संस्कृति को संस्थागत रूप देने के लिए धमतरी में आगे भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से होते रहेंगे। इससे युवाओं को निरंतर मेंटरशिप, फंडिंग एक्सपोज़र और बिजनेस नेटवर्क प्राप्त होंगे।

ट्रेनों में चोरी करने वाला अन्तर्राजीय चोर पकड़ाया

रायपुर । रेलवे पुलिस रायपुर ने ट्रेनों में चोरी करने वाले अंर्तराजीय चोर सौरभ बुरांडे को गिरफ्तार कर उसके पास से 3,28,000 रुपये का चोरी का सामान जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 303 (2) बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार वाल्टेयर रेल लाईन में लगातार ट्रेनो में हो रही चोरियों के संबंध में विशेष नजर रखने हेतु पुलिस अधीक्षक (रेल) रायपुर, उप पुलिस अधीक्षक (रेल) रायपुर, के द्वारा थाना प्रभारी जीआरपी रायपुर को पता तलाश कर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये थे।

मजदूर का अपहरण कर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक मजदूर का अपहरण कर उसके साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

रायपुर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां ट्रेन पकड़ने आए एक युवक का अपहरण करके उसके साथ यौन शोषण किया गया। साथ ही पीड़ित की पिटाई कर उसका वीडियो बनाकर परिजनों से फिरौती मांगी गई। लेकिन किसी तरह जान बचाकर निकले युवक ने पुलिस से शिकायत की। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित युवक ने बताया कि रामानुजगंज से वह मजदूरी करने गुजरात के सूरत जा रहा था। इसके लिए वह ट्रेन पकड़ने रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा था। इसी दौरान आरोपी गोविंद उर्फगोविंदा धृतलहरे उससे मिला और उसे जल्द बस या ट्रेन की कनेक्टिविटी दिलवा देने का विश्वास दिलाकर अपने बाइक में बैठाकर ले गया। आरोपी उसे घुमाते हुए शहर से दूर एक अज्ञात स्थान पर ले गया और एक कमरे में बंधक बना लिया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी उसे कमरे में ले जाकर पहले मारपीट करने लगा और विरोध करने पर धमकाया। इसके बाद उसने जबरदस्ती अप्राकृतिक कृत्य किया, साथ ही आरोपी पूरी घटना का वीडियो अपनी मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद आरोपी ने यह वीडियो पीड़ित के परिजनों को भेजा और धमकी दी कि वीडियो वायरल होने से बचाने के लिए डेढ़ लाख रुपये देने होंगे। रकम न मिलने पर वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाने की धमकी देता रहा।शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

अधिकारों का संरक्षण आवश्यक

भारत सरकार का कहना है कि मकान किराया संबंधी नए नियमों में उसने मकान मालिक और किरायेदार दोनों के हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। इसके तहत पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। चूंकि अब मकान किराए पर देने से संबंधित दस्तावेज का 60 दिन के अंदर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा, इसलिए समझा जा सकता है कि नए नियमों का मकसद टैक्स वसूली को सुनिश्चित करना भी है। बहरहाल, यह सोच अपने-आप में सही जगह पर है कि मकान किराए पर लगाने का कारोबार औपचारिक दायरे में आए और जहां अपने मकान की सुरक्षा को लेकर मालिक आश्वस्त हों, वहीं किराएदार के अधिकारों का भी संरक्षण हो।यह सहरानीय प्रयास है।

नदिया की धार

यह नदिया की धार नहीं,
जीवन की है सांस
इसका काम
चलते ही जाना
बिना रूके,
बिना थके,
बिना किसी शोर के।

पत्थरों से टकराकर भी
हंसना जानती ।
अपनी ही लय में,
अपनी ही धुन में
बहना जानती ।

प्यासे खेतों की हथेली पर
ठंडा स्पर्श रखती ,
सूखे होंठों पर
बूंद बनकर मुस्कुराती ।

पेड़ों की जड़ों से पूछो
कैसे छुपकर
रस की सीढ़ियां उतरती ,
कैसे जीवन के भीतर
जीवन रचती ।

नदी जानती
रुकना खत्म हो जाना ।
बहना ही अस्तित्व ,
बहना ही पहचान ।

यही उसकी पुकार
जो ठहर गया,
वह मर गया।
जो बहता रहा,
वही जीवन कहलाया।

नदिया की यह दौड़
जीतने के लिए नहीं,
सिर्फदेने के लिए
देते-देते ही
समुद्र तक जाना
फ़िर बादल बनकर
आकाश से लौट आना है।

यह नदिया की धार नही
जीवन की सांस ।
इसका काम
चलते ही जाना ज
चलते ही जाना है।

- संजीव ठाकुर ।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

यूनेस्को ने दीपावली को विश्व धरोहर घोषित किया

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक चेतना का ऐसा महत्त्वपूर्ण क्षण है, जो न केवल भारतीयों को गौरवान्वित करता है बल्कि यह सिद्ध करता है कि भारतीय सभ्यता की आत्मा आज भी मानवता का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखती है। दीपावली मात्र एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन, आत्मा, संबंध, समरसता और विश्वबंधुत्व का प्रकाशग्रंथ है। यह वह विरासत है जो हजारों वर्षों से मानव को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान, ईर्ष्या से प्रेम और भय से विश्वास की यात्रा पर ले जाती रही है।

दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे 'अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है।

जब अयोध्या की रामपैड़ी पर 26.17 लाख दीपकों ने एक साथ जगमग कर दुनिया को चमत्कृत किया, तब वह दृश्य सिर्फ दीयों का समुद्र नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक रोशनी का वैश्विक उद्घोष था, एक ऐसा उद्घोष जिसने दुनिया को यह विश्वास कराया कि भारत की परंपराएं आज भी सार्वभौमिक प्रेरणा शक्ति हैं। यूनेस्को का निर्णय इसी चमत्कार की परिणति है।

दीपावली के केंद्र में केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह पर्व मनुष्य को याद दिलाता है कि हर कठिनाई, हर पीड़ा, हर अंधकार के भीतर एक दीप जलने की संभावना छिपी होती है। हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख परंपराओं में दीपावली का अलग-अलग महत्व है, मगर संदेश एक ही है, प्रकाश का मार्ग ही मानवता का मार्ग है। यही अखंड संदेश अब विश्व स्तर पर मान्यता पा रहा है।

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरें सदैव मानव-कल्याण की प्रेरक रही हैं। कुंभ, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, योग, दुर्गा पूजा जैसी परंपराएँ पहले से विश्व धरोहर सूची में शामिल रही हैं। दीपावली के जुड़ने से यह सूची और उज्जवल हुई है। दीपावली यूनेस्को के उस उद्देश्य को पूर्ण रूप देती है जिसमें कहा गया है कि मानवता की सबसे बड़ी शक्तियाँ वे परंपराएँ हैं जो समय के साथ खो न जाएँ।

दीपावली भारतीय समाज की आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संरचना को एक गहरा संदेश देती है। एक छोटा कुम्हार, जो अपने हाथों से दीए बनाता है, उसी दीये की रोशनी से करोड़ों घर रोशन होते हैं। एक छोटे व्यापारी की दुकान भी दीपावली पर उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी एक बड़ी कंपनी की। यह त्योहार बताता है कि समाज प्रकाश तभी बनता है जब हर व्यक्ति के जीवन में रोशनी पहुंचे। इसीलिए यह उत्सव भारतीय सामुदायिक चेतना का उत्सव है, समता और समान अवसरों का उत्सव है।

दुनिया आज विभाजन, युद्ध, तनाव, भौतिक लालच और मानसिक अंधकार से जूझ रही है। ऐसे समय में दीपावली का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक है कि एक दीप की लौ किसी भी गहन अंधकार को चुनौती दे सकती है। भारत ने सदियों से दुनिया को यही बताया है कि नैतिक साहस, सद्भाव, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा ही सभ्यताओं को टिकाऊ बनाती है। दीपावली इस सत्य का प्रत्यक्ष प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधुनिक सोच और सांस्कृतिक कूटनीति ने भारत की इन अवधारणाओं को दुनिया के सामने नई ऊर्जा के साथ स्थापित किया है। योग की वैश्विक मान्यता हो, आयुर्वेद का उभार हो, रामायण सम्मेलन हों या भारतीय त्योहारों का अंतरराष्ट्रीयकरण, यह सब भारत की सॉफ्ट पावर की विजय है। दीपावली को यूनेस्को सूची में शामिल किया जाना इसी सॉफ्ट पावर की अगली खूबसूरत सीढ़ी है।

मोदी का ÷वसुधैव कुटुंबकम÷ का मंत्र अब भारत की विदेश नीति ही नहीं, बल्कि विश्व-दृष्टि बन चुका है। इसी भावना ने जी20 से लेकर वैश्विक मंचों पर भारत की पहचान को मजबूत किया है। दीपावली का वैश्विक सम्मान इसी मंत्र का विस्तार है, क्योंकि यह त्योहार हर मानव को यह याद दिलाता है कि दुनिया एक है, पीड़ा साझा है, और आनंद भी साझा होना चाहिए।

दीपावली केवल आध्यात्मिक पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मनोविज्ञान भी है। यह मन को खाली नहीं करती, उसे भरती है, उसे बुझाती नहीं, उसे जगाती है। दीपावली मन की धूल झाड़ने, जीवन के प्रति नई आशा जगाने और अपने भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है। यही कारण है कि इसे विश्व धरोहर घोषित करना पूरी मानवता के आध्यात्मिक भविष्य को मान्यता देना है।

वैश्वीकरण के प्रभाव ने दुनिया को तकनीकी रूप से भले ही जोड़ा हो, पर मानसिक रूप से विभाजन बढ़ा दिया है। ऐसे में भारत की सांस्कृतिक विविधता, विशेषकर दीपावली जैसी परंपराएँ, सभ्यताओं के बीच एक दार्शनिक पुल का काम करती हैं। ये त्योहार दुनिया को यह बताते हैं कि जीवन केवल उपभोग नहीं, संवेदना है, केवल प्रगति नहीं, समरसता है, केवल विकास नहीं, मूल्य भी हैं।

यूनेस्को की घोषणा के बाद अब दुनिया दीपावली को केवल भारतीय या धार्मिक त्योहार के रूप में नहीं देखेगी, बल्कि इसे वैश्विक नैतिक चेतना के रूप में स्वीकार करेगी। यह उस विरासत का सम्मान है जो अतीत से चली आ रही है पर भविष्य को दिशा देती है। यह भारत की उस आध्यात्मिक शक्ति का प्रमाण है जिसे दुनिया युगों से सम्मान देती आई है।

अब यह भी हमारा दायित्व है कि दीपावली की इस उज्ज्वल विरासत को हम और अधिक संवारे, संजोएं और इसे केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में अपनाएं। जब हम अपने भीतर एक दीप जलाते हैं, तो उसके प्रकाश में पूरी दुनिया का मार्गदर्शन संभव होता है, यही भारतीय संस्कृति की शक्ति है, यही दीपावली की महिमा है।

निस्संदेह, दीपावली का वैश्विक होना भारत की सांस्कृतिक आत्मा की विजय है। यह वह क्षण है जो बताता है कि भारत केवल एक भू-राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि मानवता का आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी है। आने वाले समय में यह प्रकाश दुनिया के हर कोने तक पहुंचे, यही दीपावली का संदेश और भारत की सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

दीपों का यह उत्सव अब केवल भारत का नहीं रहाकृअब यह मानवता का उत्सव है, और भारत की यह रोशनी आने वाले समय में वैश्विक चेतना का नया सूरज बनकर उदित होगी।

यह निजी विचार है।

परिवर्तन से गुजरती परंपराः भारतीय हस्तशिल्प गढ़ रहे हैं आधुनिक डिजाइन की पहचान

श्री पबित्रा मार्गेरिटा

परिवर्तन को दर्ज करने वाला क्षण

ग्रामीण असम में शिल्पकारों की एक बस्ती की हाल की यात्रा के दौरान एक सामान्य से दृश्य में भारत के हस्तशिल्प तंत्र में आ रहे गहरे बदलाव की झलक दिखाई दी। अनेक शिल्पकार सूखी हुई जलकुंभी को बुन रहे थे। लेकिन ये शिल्पकार वे परंपरागत टोकरियां नहीं बना रहे थे जिन्हें उनका समुदाय सदियों से बुनता आ रहा है। इसके बजाय वे कॉरपोरेट बैठकों के लिए खूबसूरत ऑफिस फोल्डर बना रहे थे। उनके हाथ पीढ़ियों से जारी कला को आगे बढ़ाते हुए चिरपरिचित लय में चल रहे थे। लेकिन उनके उत्पाद और उद्देश्य, दोनों ही पूरी तरह से बदल चुके हैं।

हम 08 से 14 दिसंबर, 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प दिवस मना रहे हैं। ऐसे में, यह दृश्य भारत के हस्तशिल्प परिदृश्य में एक मूक क्रांति का प्रतीक है। हमारी जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। उनका नई जगहों, नए बाजारों और नूतन भविष्य में विस्तार हो रहा है। मूल विशेषताओं की शुद्धता बरकरार रहने के बावजूद माध्यमों और स्वरूपों में जो विकास हो रहा है उसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही की जा सकती थी।

जीवंत ज्ञान प्रणाली के रूप में हस्तशिल्प

इस विकास को समझने के लिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय हस्तशिल्प सिर्फ सुंदरता की वस्तु नहीं रहे हैं। वे सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक परंपराओं में गहराई से रची-बसी जीवंत ज्ञान प्रणालियां हैं। मधुबनी में महिलाएं परंपरागत तौर पर त्यौहारों, शादियों और जीवन संस्कारों के दौरान ताजा लेपी गई दीवारों पर चावल के पेस्ट से पेंटिंग बनाती थीं। इन चित्रों में मछली को जनन क्षमता और मोर को प्रेम का प्रतीक माना जाता था। चित्रण अपने मूल में व्यक्तिगत के बजाय सामूहिक हुआ करता था। गोंड समुदाय के लिए पेंटिंग उसके जीव संबंधी विश्वासों तथा जंगलवासी प्राकृतिक शक्तियों और रक्षा करने वाली आत्माओं से जुड़ी है। उनकी कला सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि वाचक परंपरा में जड़ों वाला अनुष्ठानिक ब्रह्मांड विज्ञान भी है।

स्वरूपों को हमेशा उपयोग ने गढ़ा है। असम में जलकुंभी को सुखाने के बाद बुन कर घर में काम आने वाली टोकरियां बनाई जाती हैं। कर्नाटक में लाख के लेप वाले चन्नपटना काष्ठ खिलौने बच्चों के खेलने के काम आते हैं। उन्हें पीढ़ियों से खराद पर बनाया जाता रहा है। माध्यम, स्वरूप और आकृति को एकदूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। वे विशिष्ट अनुष्ठानिक और कार्यात्मक संदर्भों से आबद्ध हैं।

परंपरा का आधुनिक अभिव्यक्ति में विस्तार

आज जो हो रहा है, वह परंपरा से अलग नहीं, बल्कि उसका विस्तार है। मूलभाव, पैटर्न और तकनीकें अभी भी पहचानी जा सकती हैं, लेकिन उनके प्रयोग आश्चर्यजनक रूप से समकालीन हो गए हैं। यह बदलाव केवल एक आयामी नहीं, बल्कि बहु-आयामी है। मधुबनी की मछली, जो कभी एक बड़ी प्रजनन कथा का हिस्सा हुआ करती थी, अब तकिए, टोट बैग और फोन कवर पर दिखाई देती है, जिसे आज के समय के अनुसार इस्तेमाल के लिए नया रूप दिया गया है। गोंड के गहरे रंगों वाले जानवर और पौधे और ज्यामिति डिज़ाइन आज अपने पौराणिक संदर्भ से बाहर भी सराहे जाते हैं।

हालांकि, सबसे बड़ा परिवर्तन माध्यम में आया है। जलकुंभी आज कॉर्पोरेट फ़ोल्डर और डिज़ाइनर हैंडबैग का रूप ले रही है। मधुबनी कला मिट्टी की दीवारों से हटकर लकड़ी के फर्नीचर, वस्त्रों और चमड़े के सहायक उपकरणों पर की जाने लगी है। चन्नपटना शिल्प, जो कभी केवल खिलौनों में ही दिखता था, अब सजावटी नक्शों, झूमरों, गृह सज्जा और डिज़ाइनर फ़र्नीचर में दिखाई देता है। पारंपरिक लाख का अभी भी इस्तेमाल हो रहा है लेकिन उसका रूप पूरी तरह आधुनिक हो गया है। यह बदलाव आज के अनुकूल है, न कि उसका कमजोर पड़ना।

भारतीय शिल्प पर आधारित फैशन की वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पहचान बन गयी है, जिसमें पारंपरिक कढ़ाई को %पेरिस हौते कॉउचर वीक% में प्रदर्शित किया गया था। नेशनल गैलरी ऑफ विक्टोरिया जैसे संग्रहालयों में अब ट्रांसफ़ॉर्मिंग वर्ल्ड्स जैसी प्रदर्शनियाँ गोंड और मधुबनी कला और उनके आधुनिक रूपों को उनकी संस्कृति या समाज के संदर्भों के बजाय समकालीन कला के तौर पर चित्रित कर रही हैं।

नेतृत्व और सरकारी हस्तक्षेप परिवर्तन को गति दे रहे हैं

इस परिवर्तन को राष्ट्रीय नेतृत्व और रणनीतिक सरकारी हस्तक्षेपों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस आंदोलन को असाधारण गति दी है। उनका %वोकल फॉर लोकल% और %लोकल टू ग्लोबल% का बार-बार किया गया आह्वान कारीगरों के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है। वह हमेशा नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हैं, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा है किः जब हम ऐसा करते हैं, तो हम केवल सामान नहीं खरीदते हैं; हम एक परिवार के लिए आशा लाते हैं, एक कारीगर की कड़ी मेहनत का सम्मान करते हैं, और एक युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं। उन्होंने अपने नवीनतम मन की बात संबोधन में बताया कि वह विश्व के नेताओं के साथ मुलाकातों के दौरान जानबूझकर हाथ से बने भारतीय उत्पादों को ही उपहार के रूप में क्यों देते हैं। ऐसा करके वह यह सुनिश्चित करते हैं कि वह जहाँ भी जाएँ उनके साथ साथ भारत की समृद्ध शिल्प विरासत भी जाये। उन्होंने कहा की कि यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह उनकी ओर से भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने का एक तरीका है ताकि हमारे कारीगरों की प्रतिभा को दुनिया भर के सामने लाया जा सके। विभिन्न सरकारी पहलें इस परिवर्तन को गति दे रही हैं। वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत कारीगरों को कौशल विकास, क्लस्टर-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, विपणन सहायता, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता और ऋण उपलब्ध कराकर सीधे सहायता प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान(निफ्ट) ने भारत भर में अपने 19 परिसरों के माध्यम से, शिल्पकारों और समकालीन डिजाइनरों के बीच सेतु का निर्माण किया है ताकि आधुनिक डिजाइनों में हमारी परम्परा की झलक भी मिल सके। भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने 366 से अधिक हस्तशिल्पों को संरक्षित किया है। इससे सामुदायिक प्रतिभा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और उन्हें सही में मान्यता मिलती है।

मैं असम राज्य से हूँ, वहां के कई पारंपरिक हस्तशिल्पों जैसे कि सर्थेबारी मेटल क्राफ्ट, माजुली मास्क, बिहू ढोल, जापी, पानी मेतेका, आशारिकांदी टेराकोटा और बोडो समुदाय के कई अन्य हस्तशिल्पों को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) पंजीकरणों की मान्यता मिली है जो कि बहुत लंबे समय से अपेक्षित थी। प्रत्येक पंजीकरण यह दर्शाता है कि कैसे असम या पूरे भारत के हर कोने में विविधता की झलक मिलती है जो दशकों तक उपेक्षित रहने के बाद, आज राष्ट्रीय मंच पर एक नया स्थान पा रही है।

विकसित भारत के लिए एक गतिशील और विकसित होती विरासत

भारत के हस्तशिल्प विकास में सबसे बड़ा सबक यह है कि परंपरा स्थिर नहीं है बल्कि यह अनुकूलित होती है, अवशोषित होती है और आगे बढ़ती है। जलकुंभी की घरेलू टोकरियों से लेकर अन्य वैश्विक सामानों तक की यात्रा हमारे कारीगर समुदायों के व्यवहारिकता और रचनात्मकता का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने की ओर बढ़ रहा है, वैसे ही हस्तशिल्प क्षेत्र विरासत और नवोन्मेष, ग्रामीण आजीविका और वैश्विक आकांक्षा, पहचान और आधुनिकता के एक शक्तिशाली चौराहे पर खड़ा है।

यह आंदोलन जैसे-जैसे मज़बूत होता जा रहा है, हम सबकी भी ज़िम्मेदारी बनती है कि हर कारीगर को सशक्त बनाया जाए और हमारी प्रत्येक परंपरा फलती-फूलती रहे। भारत की हस्तशिल्प विरासत सिर्फ़ एक याद बनकर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हमारी पहचान एक जीवित अभिव्यक्ति के रूप में फलनी-फूलनी चाहिए। हर बार जब कोई परिवार स्थानीय चीज़ें चुनता है या हर बार जब कोई डिज़ाइनर किसी हस्तशिल्प समूह के साथ भागीदारी करता है, तो वह आत्मनिर्भर भारत की भावना को ही आगे बढ़ाता है। ये वही सधे हुए सृजनशील और सदियों की समझदारी से संजोये हुए हाथ है जो भारत की आने वाली पीढ़ियों का मार्ग दर्शन करेंगे।

(लेखक कपड़ा और विदेश राज्य मंत्री हैं)

चीन का दावा

हरिशंकर व्यास

पिछले दिनों दुनिया ने देखा और सुना कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय मूल की एक महिला को किस तरह शंघाई हवाईअड्डे पर 18 घंटे तक रोक रखा गया और उसके भारतीय पासपोर्ट को अवैध बताया गया। कारण क्या था? कारण यह था कि पासपोर्ट पर उस महिला का जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश लिखा हुआ था। चीन ने उस महिला से कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है इसलिए वहां जन्मी किसी व्यक्ति का पासपोर्ट भारत नहीं जारी कर सकता है। उस महिला को बुरी तरह से परेशान किया गया। उसे पानी खरीदने तक से रोका गया। उसकी फ्लाइट छूट गई तो दूसरी फ्लाइट की टिकट खरीदने से रोका गया। बाद में किसी तरह उसने ब्रिटेन में भारतीय दूतावास से संपर्क किया तो उसको वहां से निकाला जा सका। लेकिन उसके अगले दिन चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भारत के अभिन्न अंग अरुणाचल प्रदेश को जांगनान बताते हुए कहा कि यह चीन का हिस्सा है और चीन इस पर भारत के कब्जे को मान्यता नहीं देता।

चीन पहले भी इस तरह का दावा कर चुका है। इतना ही नहीं आए दिन चीन की सरकार अरुणाचल प्रदेश के अलग अलग हिस्सों के नाम बदलती रहती है। कभी अरुणाचल के किसी पहाड़ का तिब्बती नाम रख दिया जाता है तो कभी किसी नदी का नाम बदल दिया जाता है तो कभी किसी कस्बे का नाम बदल दिया जाता है। चीन अब तक दर्जनों नदियों, पहाड़ों, कस्बों और गांवों के नाम बदल चुका है। जब भी वह ऐसा करता है तो भारत की ओर से एक लाइन की प्रतिक्रिया दी जाती है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और चीन के दावा करने से अरुणाचल उसका नहीं हो जाएगा।

सोचें, चीन इसी तरह के दावे करते करते हुए पूर्वी लद्दाख के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर चुका है। भारत की ओर से भले कहा जाएगा कि कोई भारतीय सीमा में नहीं घुसा है लेकिन हकीकत है कि चीन ने जून 2020 में गलवान घाटी में झड़प के बाद उस इलाके में भूगोल बदल चुका है। भारत की सेना पहले जहां तक गश्त करती थ, कई जगह वह इलाका बफर जोन में बदल चुका है। इसी तरह अरुणाचल प्रदेश में चीन लंबे समय से अपने पैर फैला रहा है और भाजपा के सांसद व प्रदेश अध्यक्ष रहे तापिर गाओ ने संसद में खड़े होकर कहा कि भारत की सीमा में 50 किलोमीटर से ज्यादा अंदर चीन के सैनिक घुसे हुए हैं। उन्होंने सड़कें और पुल बनाए हैं। डोकलाम में जो हुआ वह भी पूरे देश ने देखा।

क्या इन सबके बावजूद भारत ने कभी चीन के साथ ऐसा कुछ करने का प्रयास किया? भारत के नेताओं के मुंह से चीन का नाम तक नहीं निकलता है। जब चीन अरुणाचल प्रदेश के हिस्सों के नाम बदलता है उसी समय क्या भारत की ओर से अक्साई चिन के उस हिस्से की मांग चीन से नहीं करनी चाहिए, जो पाकिस्तान ने उसे सौंप दी है? अक्साई चिन ऐतिहासिक रूप से भारत का हिस्सा है। लेकिन भारत उस पर दावा नहीं करता है। पीओके लेने की बात कही जाती है तो यह नहीं कहा जाता है कि चीन के कब्जे वाला इलाका भी लेंगे। भारत की ओर से कभी तिब्बत के समर्थन में एक शब्द नहीं निकलता है, जिसे पिछले सदी के पांचवे दशक में चीन ने कब्जा लिया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान टेमासेक होल्डिंग्स के चेयरमैन टीओ ची हेन (बाएं) के साथ।

नीति से समृद्धि तक : जीसीसी, भारत की विकास यात्रा में अग्रणी

पीआईबी

जैसे-जैसे टैलेंट टेक्नोलॉजी से मिलता है, भारत में 1,700 से ज़्यादा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) के साथ एंटरप्राइज़ सॉल्यूशंस के लिए एक नया भविष्य बन रहा है। ये बड़ी कंपनियों की रीढ़ हैं, और इन्होंने बहुत लंबा सफर तय किया है। जो पहले एक बेसिक सपोर्ट डेस्क के तौर पर शुरू हुआ था, वह अब एक इनोवेशन पावरहाउस बन गया हैऔर रिसर्च, डिज़ाइन और डेवलपमेंट को आगे बढ़ा रहा है। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) ऑफशोर यूनिट्स हैं जिन्हें कंपनियाँ अपने पेरेंट ऑर्गनाइज़ेशन्स के लिए कई तरह की सर्विसेज़ देने के लिए बनाती हैं । ग्लोबल कॉर्पोरेट स्ट्रक्चर के ज़रूरी हिस्सों के तौर पर काम करते हुए, वेइन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, रिसर्च और डेवलपमेंट, कस्टमर सपोर्ट और दूसरे बिज़नेस ऑपरेशन्स जैसे एरिया में

खास एक्सपर्टीज़ देते हैं। कॉस्ट एफिशिएंसी पाने, स्किल्ड टैलेंट पूल का इस्तेमाल करने, और पेरेंट फ र्म और उनके इंटरनेशनल एफिलिएट के बीच कोलेबोरेशन को बढ़ावा देने में यह एक ज़रूरी भूमिका निभाता है। व्यावसायिक प्रक्रियाओं, आईटी सेवाओं, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों, नवाचार केंद्रों, ग्राहक सेवा केंद्रों और अन्य प्रमुख कार्यों जैसे क्षेत्रों को संभालनेके लिए जीसीसी स्थापित किए हैं। ये जीसीसी तेजी से नवाचार और मूल्य सृजन के लिए रणनीतिक केंद्रों के रूप में विकसित हुए हैं। केवल पाँच वर्षों में, उनका संयुक्त राजस्व वित्त वर्ष 19 में 40.4 बिलियन से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 64.6 बिलियन हो गया है, जो सालाना 9.8त्न की स्वस्थ गति से बढ़ रहा है। संख्या तक सीमित नहीं, ये जीसीसी अब देश भर में 19 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं, जो यहीं भारत से तकनीक और व्यवसाय के भविष्य को आकार दे रहे हैं। ये केंद्र दुनिया भर में अपने मूल संगठनों के लिए नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और रणनीतिक संचालन को आगे बढ़ाते हैं। भारत सरकार ने प्रगतिशील नीतियों, बुनियादी ढांचे के विकास और स्टार्टअप समर्थन के माध्यम से इस पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

भारत वैश्विक जीसीसी विस्तार के केंद्र में - भारत ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) का एक बड़ा केंद्र बन गया है, जिसके बड़े क्लस्टर बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, मुंबई और नेशनल कैपिटल रीजन में हैं। इस सेक्टर के 2030 तक स्ठ 105 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, जिसे लगभग 2,400 सेंटर्स से सपोर्ट मिलेगा, जिनमें2.8 मिलियन से ज़्यादा प्रोफेशनल्स काम करते हैं ।

उद्योग–अनुसंधान–सरकारी सहयोग भारत के भविष्य में हाइड्रोजन के इस्तेमाल को गति दे रहा है

पीआईबी

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने आज परिवहन क्षेत्र में हाइड्रोजन के उपयोग के फील्ड ट्रायल के लिए पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया और इसे भारत की स्वच्छ ऊर्जा प्रगति में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

भारत की ऊर्जा प्रणालियों के लिए भविष्य भविष्य में ईंधन के रूप में हरित हाइड्रोजन की स्थिति

केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि वैश्विक स्तर पर हरित हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा प्रणालियों की रीढ़ की हड्डी के रूप में उभर रही है। उन्होंने कहा कि यह सहयोग, साथ ही टोयोटा की मिराई हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल (एफसीईवी) को वास्तविक परीक्षण के लिए एनआईएसई को सौंपना, भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए नवाचार, उद्योग विशेषज्ञता और वैज्ञानिक सटीकता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सहयोग ÷ऊर्जा आत्मनिर्भरता÷ को मजबूत करते हैं, नवीन और कम उत्सर्जन वाले परिवहन समाधानों को बढ़ावा देते हैं और भारत की पंचामृत जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हैं, जो सरकार के इस विश्वास की पुष्टि करते हैं कि आने वाले दशकों में हरित हाइड्रोजन देश की ऊर्जा अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेगी।

टोयोटा की 'मिराई' फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल (एफसीईवी) की शुरुआत को ÷सतत गतिशीलता के लिए एक नया अध्याय÷ बताते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मिराई नाम का जापानी भाषा में अर्थ ÷भविष्य÷ है और यह स्वच्छ, हरित और सतत गतिशीलता इकोसिस्टम के लिए भारत की आकांक्षा का प्रतीक है।

भारतीय परिस्थितियों में व्यापक वास्तविक मूल्यांकन के लिए एनआईएसई (राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान)

समझौते के तहत, एनआईएसई भारत की विविध सड़क स्थितियों (गर्मी, धूल, यातायात जाम और विभिन्न भू-भाग) में एफसीईवी मिराई का व्यापक मूल्यांकन करेगा। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अगले दो वर्षों तक चलने वाले परीक्षण से देश भर में हाइड्रोजन मोबिलिटी को बढ़ावा

देने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी, साथ ही उद्योग, शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं के बीच जागरूकता, विश्वास और तकनीकी क्षमता का निर्माण होगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हाइड्रोजन फ्यूल सेल वाहन स्वच्छ, शांत और प्रदूषण रहित होते हैं, इनसे केवल पानी निकलता है और फ्यूल सेल तकनीकें विश्व स्तर पर कारों, बसों, ट्रकों, ट्रेनों, जहाजों और स्थिर विद्युत प्रणालियों को तेजी से शक्ति प्रदान कर रही हैं।

श्री जोशी ने कहा कि हाइड्रोजन वाहन को स्वयं चलाकर वे यह स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि हाइड्रोजन से चलने वाली वाहन प्रणाली तैयार है और भारतीय परिस्थितियों के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। उन्होंने कार्बन तटस्थता के प्रति टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) की प्रतिबद्धता की सराहना की और भारत की स्वच्छ ऊर्जा सम्बंधी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में एनआईएसई के नेतृत्व की प्रशंसा की। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, ÷ इस वाहन के साथ हम न केवल एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, बल्कि स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य के प्रति विश्वास, सहयोग और प्रतिबद्धता का भी परिचय दे रहे हैं।÷ नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल भारत के स्वच्छ, हरित और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा परिवर्तन में अभूतपूर्व प्रगति की है, इसमें जनवरी 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का शुभारंभ भी शामिल है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि टोयोटा मिराई जैसी फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल (एफसीईवी) तकनीक का वास्तविक परीक्षण हाइड्रोजन आधारित परिवहन समाधानों की नीति से प्रयोग और फिर व्यावसायीकरण की दिशा में भारत की तीव्र प्रगति को दर्शाता है।

श्री नाइक ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और सरकार के बीच मजबूत साझेदारी की सराहना की और इस बात पर बल दिया कि भारतीय सड़कों और जलवायु परिस्थितियों में मिराई वाहन का एनआईएसई द्वारा किया गया मूल्यांकन भविष्य में इसके विस्तार के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पायलट परियोजना हाइड्रोजन आधारित स्वच्छ परिवहन को व्यापक रूप से अपनाने, वायु गुणवत्ता में सुधार और देश भर में सतत विकास में योगदान देगी। केन्द्रीय मंत्री ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा इकोसिस्टम में निरंतर विश्वास बनाए रखने के लिए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को बधाई दी और इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को निभाने के लिए एनआईएसई की प्रशंसा करते हुए इस पहल के सफल कार्यान्वयन के लिए शुभकामनाएं दीं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और कार्यकारी उपाध्यक्ष, कॉर्पोरेट मामले और शासन, श्री विक्रम गुलाटी ने कहा, ÷राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) के साथ यह साझेदारी और परीक्षण एवं ट्रायल के लिए 'टोयोटा मिराई' का हस्तांतरण, भारत के हरित हाइड्रोजन मिशन का समर्थन करने और देश को हरित एवं स्वदेशी ऊर्जा स्रोतों से संचालित भविष्य की गतिशीलता की ओर अग्रसर करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। हमारा मानना है कि हाइड्रोजन फ्यूल-सेल प्रौद्योगिकी, अन्य टिकाऊ सार्वजनिक प्रौद्योगिकियों के साथ मिलकर, भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्यों और ऊर्जा स्वतंत्रता के उद्देश्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।÷ इस कार्यक्रम में एमएनआरई के सचिव श्री संतोष कुमार सारंगी, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान के महानिदेशक डॉ. मोहम्मद रिहान और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के मिशन निदेशक श्री अभय बकरे भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के बाद, श्री जोशी आज वाहन चलाकर संसद पहुंचे और उन्होंने कहा कि हरित भवन के रूप में डिजाइन किया गया नया संसद भवन, उन्नत हाइड्रोजन गतिशीलता को प्रदर्शित करने के लिए एक उपयुक्त स्थान है।

प्लास्टिक पुनर्चक्रण में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कॉरपोरेट और सरकार के बीच ऐतिहासिक साझीदारी

पीआईबी

नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने पुनर्चक्रण पर आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन की ओर भारत की रफ्तार में तेजी लाने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी स्टार्टअप गतिवर्द्धन कार्यक्रम शुरू करने के लिए साझीदारी की है।

यह पहलकदमी एचयूएल की सर्कुलर भारत परियोजना के अंतर्गत ली गई है। इसके तहत अगले 3 वर्षों में पुनर्चक्रण पर आधारित अर्थव्यवस्था में उच्च संभावना वाले 50 स्टार्टअप की पहचान कर उन्हें सहायता दी जाएगी। इस कार्यक्रम में प्लास्टिक पुनर्चक्रण में नवोन्मेष करने वाले स्टार्टअप को तरजीह दी जाएगी। ये स्टार्टअप वैसे होंगे जो प्लास्टिक के पुनर्चक्रण, पुनर्उपयोग और पुनर्भरण तथा अगली पीढ़ी की पैकेजिंग सामग्रियों के लिए समाधान पर काम कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत प्लास्टिक के अलावा कपड़ा और ई-कचरा जैसे उपभोग पश्चात अपशिष्ट में से उपयोगी सामग्रियों को निकालने से जुड़े स्टार्टअप को भी सहायता दी जाएगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चुने गए स्टार्टअप को व्यवसाय अग्रणियों, नीति विशेषज्ञों और निवेशकों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। चुने गए स्टार्टअप को अनुदान वित्तपोषण के साथ ही बाजार में मान्यता के लिए प्रायोगिक अवसर भी मिलेंगे। इस भागीदारी से एआईएम और नीति आयोग की नीतियों और नवोन्मेष के परिपोषण की विशेषज्ञता तथा एचयूएल के विस्तृत औद्योगिक नेटवर्क और जिनतिओ की वैसे उद्भवन समाधानों में तेजी लाने की विशेषज्ञता का मेल होगा जो पुनर्चक्रण पर आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भारत के परिवर्तन को उत्प्रेरित करेगी।

एचयूएल के कार्यकारी निदेशक तथा जन, परिवर्तन और संवहनीयता अधिकारी बीपी बिद्दप्पा ने कहा, ''नीति आयोग और एचयूएल की यह भागीदारी प्लास्टिक के लिए भारत की पुनर्चक्रण पर आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारे इस दृढ़ विश्वास को प्रतिबिंबित करता है कि जो भारत के लिए अच्छा है वहीं एचयूएल के लिए भी अच्छा है। हमारा लक्ष्य सरकार की ताकत, उद्योग की विशेषज्ञता और उद्यमियों की ऊर्जा को मिला कर अगली पीढ़ी के संवहनीय स्टार्टअप को सशक्त बनाना और तेजी से व्यावहारिक समाधानों तक पहुंचना है।''

एनबीए ने पाँच राज्यों में लाभार्थियों के लिए पहुँच तथा लाभ साझाकरण के तहत 6.2 करोड़ रुपये जारी किए

पीआईबी

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने 11.12.2025 को जैव विविधता अधिनियम, 2002 के पहुँच तथा लाभ साझाकरण (एबीएस) तंत्र के तहत लाभार्थियों के लिए 6.2 करोड़ रुपये जारी किए। यह धनराशि संकटग्रस्त लाल चंदन के संरक्षण का समर्थन करेगी और पाँच राज्यों में किसानों तथा वन-निर्भर समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाएगी। पहुँच तथा लाभ साझाकरण निधि राज्य वन विभागों, राज्य जैव विविधता बोर्डों और लाल चंदन उगाने वालों को जारी की गई है, जो इस देशज और वैश्विक रूप से मूल्यवान प्रजाति की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नवीनतम वितरण लाल चंदन के सतत संरक्षण और जिम्मेदार उपयोग को समर्थन देता है।

जनवरी 2025 से अब तक 3.02 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी निष्क्रिय; प्रामाणिक टिकट बुकिंग के लिए एंटी-बॉट उपाय लागू

ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग के लिए 322 रेलगाड़ियों और आरक्षण काउंटरों पर 211 रेलगाड़ियों में आधार-आधारित ओटीपी सत्यापन लागू

96 लोकप्रिय रेलगाड़ियों में से 95 प्रतिशत रेलगाड़ियों में तत्काल टिकट की उपलब्धता का समय बढ़ाया गया

एजेंसी

भारतीय रेल की आरक्षण टिकट बुकिंग प्रणाली एक मज़बूत और अत्यधिक सुरक्षित आईटी प्लेटफ़ॉर्म है जो उद्योग-मानक और अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा नियंत्रणों से सुसज्जित है। भारतीय रेल ने आरक्षण प्रणाली के प्रदर्शन और नियमित/तत्काल टिकटों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। इन उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं: 1. उपयोगकर्ता खातों का कड़ा पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन किया गया है। जनवरी 2025 से अब तक लगभग 3.02 करोड़ संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी निष्क्रिय कर दी गई हैं।

2. अकामाई जैसे एंटी-बॉट समाधानों को फर्जी उपयोगकर्ताओं को हटाने और वैध यात्रियों के लिए सुचारू बुकिंग सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है। 3. तत्काल बुकिंग में दुरुपयोग को रोकने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग हेतु आधार आधारित वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) सत्यापन को चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। 4 दिसंबर 2025 तक यह सुविधा 322 रेलगाड़ियों में पहले से ही मिल रही है। उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, उपर्युक्त 322 रेलगाड़ियों में से लगभग 65 प्रतिशत रेलगाड़ियों में तत्काल टिकट की उपलब्धता का समय बढ़ गया है।

4. आरक्षण काउंटरों पर तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी को भी चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया है और 04.12.2025 तक इसे 211 रेलगाड़ियों में लागू किया गया है।

राजनांदगांव के पीएम श्री शिक्षकों ने आईआईटी जम्मू में आधुनिक तकनीक और व्यावसायिक शिक्षा में कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया

राजनांदगांव- राजनांदगांव जिले के पीएम श्री स्कूलों के चार शिक्षकों ने हाल ही में आईआईटी जम्मू में 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया, जिसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक और व्यावसायिक शिक्षा में उनके कौशल को बढ़ाना था। 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षा में नवीनतम उपकरणों और तकनीकों से लैस करना था।

पीएम श्री विद्यालय राजा सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम के वेद प्रकाश साहू, पीएम श्री विद्यालय डोंगरगढ़ की भिनेश्वरी जंघेल, पीएम श्री विद्यालय छुरिया की लक्ष्मी यादव और पीएम श्री विद्यालय डोंगरगांव के वासुदेव साहू ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्हें आईसीटी, एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन तकनीक और 3डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में हाथों-हाथ प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

पीएमजीएसवाई से बदला विकास का भूगोल एमसीबी जिले में

पक्की सड़कों ने जुड़ा गांव-गांव, बढ़ी व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीणों में बड़ी नई उम्मीद

रायपुर, संवाददाता

पहाड़ों, वनाच्छादित और दूरस्थ भौगोलिक स्थितियों के कारण लंबे समय तक संपर्कहीनता की समस्या से जूझता रहा एमसीबी जिला। कई गांव ऐसे थे जहां पहुंचना मौसम के भरोसे होता था। बरसात में सड़कें कट जाती थीं, लोग घरों में कैद हो जाते थे और रोगी, छात्र, किसान सभी कठिनाइयों का सामना करते थे।

ग्रामीण जीवन की धड़कन बनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने इस जिले का भूगोल ही बदल दिया। आज मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अधिकांश गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं और जहां कार्य शेष है, वहां निर्माण युद्धस्तर पर जारी है। यहां सड़कों का जाल सिर्फकंक्रीट या डामर का ढांचा नहीं है बल्कि यह गांवों की नई किस्मत है, ग्रामीण जीवन की धड़कन है और विकास की असली आधार है।

पहाड़ी रास्तों से पक्की सड़क तक -एक परिवर्तन की कहानी

एमसीबी जिले की ऊबड़-खाबड़ पहाडियों, दुरूह घाटियों और गहरे जंगलों में बसे गांव वर्षों तक मुख्यधारा से दूर रहे। गांवों तक पहुँचने के लिए कभी पगडंडी, कभी नदी का उफान और कभी पहाड़ी रास्तों का सहारा लेना पड़ता था। पीएमजीएसवाई के तहत जब सड़कों का सर्वेक्षण शुरू हुआ, तो ग्रामीणों के बीच उम्मीद की एक नई किरण जागी। आज वही गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं। अब छोटे वाहनों से लेकर एम्बुलेंस और कृषि वाहन तक आराम से पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में भी आवागमन बाधित नहीं होता। स्कूल, अस्पताल, बाजार और तहसील सबकी दूरी कम हो गई है। यह बदलाव सिर्फ यात्रा में समय घटने का नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढने का है।

किसानों की बढ़ी आर्थिक रफ्तार - बाजार हुआ पास

पहले किसान खेतों से उपज को बैलगाड़ी या अपने सिर पर उठाकर ले जाते थे। कई बार फसल मंडी तक पहुंचते-पहुंचते खराब भी हो जाती थी। नई सड़कों का प्रभाव कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी रहा, जिसमें ट्रैक्टर, पिकअप, मिनी ट्रक अब गांव तक पहुंच रहे हैं। धान, कोदो-कुटकी, मक्का, सब्जियां और लघु वनोपज आसानी से मंडी पहुंच रही हैं। परिवहन लागत कम होने से अब किसानों की बचत बढ़ी है। खरीदी समय पर होने से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि हुई है। आज किसान गर्व से कहते हैं कि सड़क आई, तो बाजार भी हमारे गांव आ गया।

स्वास्थ्य सेवाओं में हुआ बड़ा सुधार - अब इलाज भी हो रहा समय पर

पहले बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक लाने में कई घंटे लग जाते थे। पहले एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती थी। पर अब स्थिति बदल चुकी है और 108 एम्बुलेंस सीधे घर तक पहुंच रही है, गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित संस्थागत प्रसव सुनिश्चित हुआ, टीकाकरण, पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी आई, गंभीर मरीजों को समय पर जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। सड़क निर्माण से अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट की पहुँच आसान और सुविधाजनक हो गया है।

शिक्षा के दरवाजे खुले-ड्रॉपआउट में आया कमी - पहले दूरस्थ गांवों के बच्चे बारिश में स्कूल नहीं जा पाते थे। कई बच्चे पहाड़ी रास्तों से डरकर पढ़ाई छोड़ देते थे। अब स्कूल वैन, बसें और ऑटो आसानी से पहुंचते हैं, अध्यापक समय पर स्कूल जा पा रहे हैं। छात्र उच्च शिक्षा के लिए कस्बों और शहरों तक आसानी से आ-जा रहे हैं, जिससे ड्रॉपआउट में कमी आया है ।

नया रोजगार और नई उम्मीदें

पीएमजीएसवाई निर्माण ने हजारों ग्रामीणों को रोजगार दिया। सड़क बनने से स्थानीय व्यवसाय, किराना, ढाबा, गैराज आदि, अब खुले परिवहन सेवाओं में वृद्धि हुई, जिससे निर्माण सामग्री की सप्लाई में स्थानीय लोगों को लाभ मिला । पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हुई, जिससे स्थानीय गाइड और स्टे सुविधा बढ़ी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में यह एक स्थायी और मजबूत निवेश साबित हुआ है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

मनरेगा से कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर ग्रामीण श्रमिकों की मजबूत कदम

प्रोजेक्ट उन्नति के तहत राजमिस्त्री प्रशिक्षण - रोजगार और सम्मानजनक आजीविका का नया अवसर

जांजगीर-चांपा संवाददाता

महात्मा गांधी नरेगा श्रमिकों को कौशल विकास से जोड़कर उन्हें स्थायी आजीविका उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक प्रभावी पहल की गई है। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) योजना के स्वीकृत निर्माण कार्यों हेतु दक्ष एवं प्रशिक्षित मिस्त्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रोजेक्ट उन्नति के तहत पात्र श्रमिकों को 30 दिवसीय आवासीय रूरल मेसन ट्रेनिंग प्रदान की जा रही है। यह प्रशिक्षण भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, जांजगीर द्वारा जनपद पंचायत पामगढ़ में संचालित किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण किया जा रहा है। प्रशिक्षण के समुचित संचालन में मनरेगा प्रभारी सहायक परियोजना अधिकारी श्री गौरव शुक्ला एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री सौरभ शुक्ला द्वारा सतत सहयोग प्रदान किया जा रहा है। मनरेगा के तहत विगत वर्षों में 60 मानव दिवस कार्य पूर्ण करने वाले 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के ग्रामीण श्रमिकों का चयन इस प्रशिक्षण के लिए किया गया है। 11 दिसंबर 2025 से प्रारंभ इस आवासीय प्रशिक्षण में श्रमिकों को प्रधानमंत्री आवास निर्माण स्थलों पर प्रत्यक्ष कार्य कराते हुए मिस्त्री कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान की ओर से निःशुल्क सेफ्टी किट, जिसमें हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट एवं आवश्यक मिस्त्री उपकरण आदि का वितरण किया गया ताकि वे सुरक्षित एवं दक्ष तरीके से निर्माण तकनीक सीख सकें। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिभागियों को मनरेगा प्रावधानों के अनुसार प्रतिदिन 261 रू की मजदूरी भी प्रदान की जाएगी। यह व्यवस्था श्रमिकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करते हुए प्रशिक्षण में निरंतरता बनाए रखने में सहायक सिद्ध हो रही है। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर लाभार्थी श्रमिक प्रधानमंत्री आवास एवं अन्य निर्माण गतिविधियों में राजमिस्त्री के रूप में कार्य कर सकेंगे, जिससे उन्हें नियमित आय के अवसर प्राप्त होंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में मिस्त्रियों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि इस प्रकार का कौशल विकास प्रशिक्षण मनरेगा श्रमिकों में आत्मविश्वास बढ़ाने, आर्थिक स्वावलंबन को प्रोत्साहित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मास्टर ट्रेनर प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 के तहत राजमिस्त्री प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक ग्रामीणों के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एस बी आई आरसेटी, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं महात्मा गांधी नरेगा के अभिसरण से आयोजित किया गया, जिसमें श्रमिकों उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

स्वच्छ भारत मिशन राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने ग्राम अमरताल, खटोला, कटघरी कल्याणपुर एवं लटिया किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा

11 दिसम्बर 2025/ हमारा शौचालय हमारा भविष्य के अवसर पर राज्य सलाहकार (रा.स्व.भा.मि.ग्रा.) एवं संभाग प्रभारी बिलासपुर श्रीमती मोनिका सिंह द्वारा स्वच्छता गतिविधियों को बेहतर बनाने एवं समुदाय को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की दिशा में जिले के जनपद पंचायत अकलतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत अमरताल, खटोला, कटघरी कल्याणपुर एवं लटिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राज्य सलाहकार श्रीमती सिंह ने सभी स्वच्छाग्रहियों से गांवों में संचालित कचरा कलेक्शन व्यवस्था, विशेषकर गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्कीकरण के विषय में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों को घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग श्रेणी में देने हेतु प्रेरित किया तथा स्वच्छ आदतों को अपनाने कहा। राज्य सलाहकार ने यूज़र चार्जेस और प्रोत्साहन राशि से संबंधित जानकारी साझा करते हुए स्वच्छाग्रहियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने गांव में निर्मित सामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण कर उनके निरंतर उपयोग, रखरखाव एवं सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सामुदायिक शौचालयों का नियमित उपयोग हो तथा स्वच्छता के मानकों का पूर्ण पालन किया जाए। इस अवसर पर स्वच्छाग्राही समिति के अध्यक्ष, सचिव, महिला समूह की दीदियां, ग्राम सरपंच, सचिव तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हत्या का प्रयास कर महिला के साथ लूटपाट

नाबालिक सहित तीन आरोपी चढ़े चांपा पुलिस के हत्थे

जांजगीर चांपा /

हत्या का प्रयास कर महिला के साथ लूटपाट के तीन आरोपी चांपा पुलिस के हत्थे चढ़ा है जिसमें एक नाबालिक भी शामिल है । पकड़े गए आरोपियों में निखिल पांडेय पिता लोचन प्रसाद पांडेय उम्र 24 वर्ष निवासी विनोद गैस एजेंसी के पीछे शंकर नगर चांपा , अरुण राजपूत पिता जगन्नाथ राजपूत उम्र 19 वर्ष निवासी शंकर नगर चांपा शामिल है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी प्रकाश देवांगन निवासी बस स्टैंड के सामने शंकर नगर चांपा ने दिनांक 10 दिसंबर 25 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह घटना दिनांक को अपने रिश्तेदार के यहां छठी कार्यक्रम में जाने के लिए अपनी मां को तैयार होने बोलकर सामान लाने मार्केट गया था । शाम करीबन 6:37 बजे इसकी मां ने फोन करके बताया कि वह कमरे में तैयार हो रही थी , उसी समय तीन लड़के दरवाजा खोलकर अंदर आए और हत्या और लूटपाट करने की नीयत से धारदार लोहे के हथियार से इसकी मां के सिर पर प्राण घातक हमला किया । चोट लगने से इसकी मां जमीन पर गिर गई तब सभी आरोपी इसकी मां का गला दबाकर पहने हुए मंगलसूत्र और कान के टॉप्स को लूट कर भाग गए । उक्त सूचना पर थाना चापा में तत्काल आरोपियों के विरुद्ध हत्या का प्रयास एवं लूट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, एसडीओपी चांपा यदुमणी सिदार को दी गई । इस पर अधिकारियों द्वारा थाना चांपा एवं साइबर सेल से एक संयुक्त टीम बनाकर घटनास्थल की ओर रवाना किया गया । टीम के द्वारा पीड़िता एवं आसपास के लोगों से पूछताछ पर निखिल नामक संदेही के बारे में पता चला । पुलिस टीम के द्वारा आसपास तथा मूखबीर से सूचना मिला कि शंकर नगर का निखिल पांडेय घटना के समय प्रार्थी के मकान के आसपास घूम रहा था। उक्त सूचना मिलने पर पुलिस टीम के द्वारा तत्काल शंकर नगर से निखिल पांडेय को घेराबंदी करके पकड़ा गया । प्रारंभिक तौर पर निखिल पांडेय पुलिस टीम को गुमराह करता रहा किंतु बारीकी से पूछताछ करने पर अपने दोस्त अरुण राजपूत एवं एक अन्य नाबालिक के साथ मिलकर प्रार्थी की मां के साथ धारदार हथियार से प्राण घातक हमला कर पहने हुए आभूषणों की लूट करने का अपराध घटित करना स्वीकार किया । पुलिस टीम के द्वारा घेराबंदी कर अलग - अलग स्थान से निखिल पांडेय, अरुण राजपूत एवं एक अन्य नाबालिक को पकड़ा गया जिनके कब्जे से लूटे गए मंगलसूत्र तथा कान के एक नग टॉप्स को जप्त किया गया। उपरोक्त कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चापा, निरीक्षक सागर पाठक प्रभारी साइबर सेल, सहायक उप निरीक्षक अरुण सिंह, सहायक उप निरीक्षक विवेक सिंह,प्रधान आरक्षक राज कुमार चंद्रा, आरक्षक प्रतीक सिंह,माखन साहू, श्रीकांत सिंह,प्रदीप दुबे, गिरीश कश्यप,शंकर राजपूत, आकाश कालोशिया,प्रकाश द्रेवेदी, गौरी शंकर राय, भूपेंद्र गोस्वामी, का विशेष योगदान रहा ।

पामगढ़ क्षेत्र में जुआरियों के विरुद्ध पुलिस की छापेमार कार्यवाही

जुआ फड़ से छः आरोपी धराए

जांजगीर चांपा /

पामगढ़ क्षेत्र में जुआरियों के विरुद्ध छापेमार कार्यवाही करते हुए छः जुआरियों को दबोचा है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन मे जिले में जुआ सट्टा पर अंकुश लगाने पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं एसडीओपी अकलतरा प्रदीप कुमार सोरी के कुशल मार्गदर्शन में थाना पामगढ पुलिस द्वारा मुखबीर सूचना पर ग्राम पनगांव बंधवा तालाब के नीचे 6 जुआरियों को घेराबंदी कर पकड़ा जिसके विरुद्ध विधिवत जुआ अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया । पकड़े गए जुआरियों में रामप्रसाद साहू पिता शांतिलाल साहू उम्र 44 वर्ष निवासी पनगांव , शिवराम साहू पिता स्व. केशव साहू उम्र 32 वर्ष निवासी पनगांव, संतोष दास पिता स्व. शांति दास उम्र 35 वर्ष निवासी पनगांव थाना पामगढ, विरेन्द्र कुमार रत्नाकर पिता मंगलूराम उम्र 38 वर्ष निवासी सेमरा , घनश्याम वैष्णव पिता विष्णुदास उम्र 30 वर्ष निवासी सेमरा थाना नवागढ ,

सीताराम साहू पिता शिवशंकर साहू उम्र 45 वर्ष निवासी पनगांव थाना पामगढ जिला जांजगीर चाम्पा शामिल है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ, प्र.आर. रामलाल मार्कण्डे, आर राघवेन्द्र,,चंद्रशेखर कैवर्त, यशवंत पाटले, उमेश दिवाकर, महेश राज, भुनेश्वर पटेल, विश्वजीत आदिले थाना पामगढ स्टाफका योगदान रहा।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव का हुआ समापन, विजेता प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

जांजगीर-चांपा,

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ऑडिटोरियम जांजगीर में 10 से 11 दिसम्बर तक दो दिवसीय आयोजित जिला स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। महोत्सव में जिलेभर से आए छात्र-छात्राएं, बालक बालिकाओं एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन अवसर पर नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा गढ़ेवाल एव जिला मुख्य आयुक्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ श्री हितेश यादव सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर पर श्री प्रेमलाल पांडेय, श्री रमेश तिवारी, पार्षदगण सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। संचालन व्याख्याता श्री दीपक कुमार यादव ने किया।

महोत्सव में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने पारंपरिक कला, संस्कृति एवं सृजनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। लोक नृत्य, पंथी नृत्य, सुआ नृत्य, लोक गीत, कहानी लेखन, वाद-विवाद, नवाचार, राउत नाचा, करमा नृत्य, पारंपरिक वेशभूषा, एकांकी नाटक, रॉक बैण्ड, चित्रकला, कविता लेखन आदि विधाओं में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। समापन सत्र में सभी विधाओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के साथ ही जिला स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का सफल समापन हुआ।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

विजेता प्रतिभागी हुए सम्मानित -

महोत्सव में पंथी नृत्य में प्रथम बलौदा (ओपन), द्वितीय शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नरियारा, सुआ नृत्य में प्रथम शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पंतोरा, द्वितीय केजीबीव्ही हरदी, वाद विवाद में प्रतियोगिता पक्ष में दीपांशु विश्वकर्मा प्रथम एवं रीमा पटेल द्वितीय, विपक्ष में भूपति राय प्रथम, पूजा श्रीवास्तव द्वितीय, कहानी लेखन में उद्धव जायसवाल प्रथम, शगुन शर्मा द्वितीय, नवाचार में सरस्वती शिशु मंदिर बलौदा के मनीष कश्यप व दानेश रजक प्रथम, सेजेस सारागांव के अजय राठौर व लक्की राठौर द्वितीय, लोक नृत्य में केजीबीव्ही हरदी प्रथम, कुकदा नवागढ़ द्वितीय, लोकगीत में श्री हरि मानस मंडली जांजगीर प्रथम एवं जनपद बलौदा द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

खनिज विभाग द्वारा अवैध रेत उत्खनन, परिवहन पर की गई कार्यवाही, कुल 14 वाहन जप्त

जांजगीर-चांपा 5 अगस्त 2025/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में खनिज एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा जिले के विभिन्न स्थानो बम्हनीडीह, खपरीडीह, चाँपा, जॉजगीर, नवापारा, पुछेली, पीपरवा, बिर्रा, कनस्दा क्षेत्र में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण करने वाले वाहनो, स्थानो का औचक निरीक्षण किया गया। खनि अधिकारी श्री अनिल कुमार साहू ने बताया कि 08 दिसम्बर को बम्हनीडीह, पुछेली क्षेत्र खनिज रेत के अवैध परिवहन करते 02 हाईवा एवं 01 ट्रैक्टर को जप्त कर पुलिस थाना बम्हनीडीह तथा 02 हाईवा को पुलिस रक्षित केन्द्र जॉजगीर के सुरक्षार्थ रखा गया है तथा 01 ट्रैक्टर चांपा थाना तथा 01 ट्रैक्टर को कनस्दा क्षेत्र में जप्त करते हुये वाहन खराब हो जाने के कारण ग्रामीण को सुपुर्द किया गया है। 10 दिसम्बर 2025 को केवा, नवापारा क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध परिवहन कार्य में 04 हाईवा को संलिप्त पाया गया। जिनके चालक मौका स्थल से फरार हो जाने के कारण उक्त वाहनों पर अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज कर लावारिस हालात में जप्ती करते हुये नोटिस चस्पा किया गया है और फरार वाहन मालिक, चालक के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु जिला परिवहन अधिकारी जॉजगीर को लेख किया गया है। इसी प्रकार आज हनुमानधारा चाँपा क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध परिवहन करते के 02 ट्रैक्टर एवं खनिज पत्थर अवैध परिवहन करते 01 टैक्टर को जप्त किया जाकर पुलिस थाना चाँपा के अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

भाजपा आई टी सेल के जिला संयोजक बने अनिल शर्मा

जांजगीर चांपा/ भारतीय जनता पार्टी के जांजगीर चाम्पा के जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने विगत दिनो अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिला कार्यसमिति की सूची जारी की जिसमे उन्होंने पार्टी के महत्वपूर्ण विभाग सूचना तकनीक का दायित्व भारतीय जनता पार्टी के वर्षो से जुड़े हुए कार्यकर्त्ता अनिल शर्मा को सौंपी है । अनिल की छवि शुरु से ही पार्टी मे निष्ठावान व समर्पित कार्यकर्ता की रही है । वे पूर्व मे भी पार्टी मे विभिन्न दायित्वो का निर्वहन कर चुके है वे करीब दो दशको से पार्टी से जुड़कर जनहित के मुद्दो पर अनेको लड़ाई लड़े है । चुनावो मे भी उन्होंने पार्टी के पक्ष मे सदैव निष्पक्ष होकर काम किया है , संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए पार्टी ने उन्हे आई टी सेल के जिला संयोजक की महत्वपूर्ण जवाबदारी सौंपी है ।

विद्यालयों से दूर होंगी पेयजल की समस्या, कलेक्टर ने पेयजल संकट वाले स्कूलों की सूची मांगी

0 डीएमएफसे स्वीकृत होंगे नए बोर, नगर पंचायत पाली में भी 4 बोरवेल को मंजूरी

0 अगले सत्र से स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के बनेंगे जाति प्रमाणपत्र,कलेक्टर ने दिए निर्देश

0 एसआईआर, धान खरीदी सहित अन्य कार्यों की हुई समीक्षा

0 समय-सीमा बैठक में विभागीय कामकाज की विस्तृत समीक्षा

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कामकाज की व्यापक समीक्षा की। बैठक में उन्होंने टीएल के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के तथा विद्यालयों में पेयजल की समस्या का समाधान करने हेतु निर्देष दिए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि ऐसे सभी विद्यालयों की सूची तत्काल तैयार कर प्रस्तुत करें, जहाँ बोरवेल खराब हैं या उपलब्ध नहीं हैं और जहाँ पेयजल का संकट बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सूची प्राप्त होते ही डीएमएफमद से इन विद्यालयों में पेयजल हेतु बोर स्वीकृत किए जाएंगे तथा फरवरी-मार्च माह में बोर खोदने का कार्य सुनिश्चित किया जाएगा। कलेक्टर ने पाली नगर पंचायत से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर डीएमएफसे चार नए बोरवेल स्वीकृत करने की मंजूरी भी प्रदान की। उन्होंने पिछले वर्ष पाली तथा पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में स्वीकृत हैंडपम्पों के विरुद्ध की गई कार्यवाही की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिए कि पूर्व में किए गए कार्यों को किसी भी स्थिति में वर्तमान नए कार्यों में शामिल न किया जाए। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशन में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने डिजिटाइजेशन कार्य की स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि जिन मामलों में गणना पत्रक असंग्रहित हैं, उनमें संबंधित व्यक्तियों को नोटिस देकर दावा-आपत्ति मंगाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद पंचायत कार्यालयों में सभी ग्राम पंचायतों की मतदाता नामावली सुरक्षित स्थान पर सार्वजनिक रूप से चस्पा की जाए। कलेक्टर ने डिजिटाइजेशन के लंबित कार्यों में तेजी लाने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सही मतदाता का नाम सूची से न छूटे तथा अनाधिकृत मतदाता का नाम किसी भी स्थिति में सूची में शामिल न हो। उन्होंने बीएलओ और बीएलए की बैठक शीघ्र आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

धान खरीदी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एसडीएम तथा राजस्व टीम को संवेदनशील धान उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सप्ताह में जारी होने वाले टोकनों के आधार पर किसानों का सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए और संदिग्ध किसानों की जांच कर अवैध खरीदी को हर हाल में रोका जाए। उन्होंने डीओ आधारित खरीदी के मामलों में धान सत्यापन को सुनिश्चित करने और रकबा समर्पण वाले मामलों में नियमानुसार रकबा समर्पण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह स्पष्ट किया कि धान खरीदी केवल वास्तविक किसानों से की जाए और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विभागीय अधिकारी विशेष ध्यान रखें। उन्होंने वीडियो कॉल वेरीफिकेशन ऐप में किसानों की फोटो अनिवार्य रूप से अपलोड करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने जांच नाकों पर सतत निगरानी रखने तथा जब्त अवैध धान की सुपुर्दगी के बाद उसकी पुनः रिसाइक्लिंग कर किसी भी स्थिति में उपार्जन केंद्रों में विक्रय न होने पाए, इसके लिए कड़ी व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। हाथी प्रभावित क्षेत्रों में धान का शीघ्र उठाव कराने, उपार्जन केंद्रों में धान बेचने आने वाले किसानों की फोटो ऐप में अपलोड कराने तथा सीसीटीवी कैमरों को पूर्णतः क्रियाशील रखने के भी निर्देश दिए गए।

खास खबर

युवक पर बेरहमी से जानलेवा हमला, सीसीटीवी में धटना कैद

कोरबा । सीतामढ़ी में पुरानी रंजिश के नाम पर एक युवक पर बेरहमी से जानलेवा हमला किया गया। करीब डेढ़ दर्जन युवकों ने लाठी, डंडे, चेन, हॉकी स्टिक और लोहे की रॉड से हमला कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीच-बचाव करने आए एक अन्य युवक के साथ भी मारपीट की गई।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के सीतामढ़ी स्टेशन रोड स्थित शनि मंदिर के पास का है। घायल युवक की पहचान प्रकाश दास के रूप में हुई है, जो घटना के समय राशन लेने पहुंचा था।

पुरानी रंजिश का आरोप लगाकर हमला जानकारी के अनुसार, सीतामढ़ी पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के पास दो युवकों के बीच पहले झगड़ा हुआ था। इसके बाद मोती सागर पारा निवासी एक युवक नशे की हालत में करीब 15-18 युवकों के साथ शनि मंदिर के पास पहुंचा और प्रकाश दास पर हमला बोल दिया। हमलावरों का आरोप था कि प्रकाश पुरानी रंजिश का हिस्सा है, जबकि प्रकाश ने इससे साफ इनकार किया है।

दुकान में घुसकर भी की पिटाई

पीड़ित प्रकाश दास के अनुसार, हमलावरों ने पहले सड़क पर उसे घेरा और बुरी तरह पीटा। वह जान बचाने के लिए पास की एक दुकान में घुस गया, लेकिन हमलावर वहां भी घुस गए और पिटाई जारी रखी। हमले में उसे सिर, पीठ और हाथों में गंभीर चोटें आई हैं।

तहसील हरदी बाजार में अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई, 190 कट्टी धान जप्त

कोरबा कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देश पर सोमवार को तहसील हरदी बाजार अंतर्गत ग्राम नूनेरा में अवैध धान के परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर अनुभागीय अधिकारी पाली श्री रोहित सिंह एवं नायब तहसीलदार पाली, हल्का पटवारी की टीम द्वारा रात्रि 8.30 बजे छापा कार्रवाई की गई।

मौके पर पिकअप वाहन में 70 कट्टी धान परिवहन हेतु लोड पाया गया तथा प्रोपराइटर मनोज किराना स्टोर, नूनेरा के गोदाम में 120 कट्टी धान अवैध रूप से भंडारित पाया गया।कुल 190 कट्टी (लगभग 82 क्विंटल) धान जप्त करते हुए गोदाम को सील कर विधिवत सुपुर्द किया गया।

क्लोदिंग, इक्यूपमेंट, फायर और आपदा की निष्प्रयोज्य सामग्रियों की नीलामी

कोरबा नगर सैनिकों के पुराने वर्दियां, इक्यूपमेंट, फायर एवं आपदा की निष्प्रयोज्य सामग्रियों की निलामी की कार्यवाही 22दिसंबर को प्रातः 11 बजेनगर सेना एवं अग्निषमन कार्यालय रजगामार रोड कार्यालय प्रांगण में किया जायेगा। निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों में नगर सेना के जवानों की वर्दी सामग्री यथा फुलपेंट, कमीज, टोपी, टोपी बैज, कंधा बैज, जूते, मोजे, कंबल, दरी, जर्सी, अंगोला शर्ट, बेल्ट, बेल्ट लेदर, मच्छरदानी, बरसाती, ग्राउण्ड सीट, व्हीसील, थाली, गिलास, बुट ब्रष, पंखा एवं सबमर्षिबल मोटर अन्य अनुपयोगी सामग्री षामिल है। नगरसेना के कोरबा कार्यालय द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों की नीलामी 'लाट में, जैसी है जहां है जितनी है' आधार पर की जायेगी।

सिटी ब्यूटीफिकेशन को मूर्तरूप देगा '' क्रिएटिव कार्नर '' , शहर के कोने-कोने में बिखरेगा सौदंर्य

नगर पालिक निगम कोरबा व आर्टिस्ट ग्रुप आफकोरबा की संयुक्त पहल पर '' क्रिएटिव कार्नर '' अभियान का हुआ आगाज

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने उठाया ब्रश, की पेंटिंग, क्रिएटिव कार्नर की हुई शुरूआत

कोरबा ऊर्जाधानी कोरबा शहर के सौंदर्यीकरण को मूर्तरूप देने निगम द्वारा शुरू कराया गया '' क्रिएटिव कार्नर '' अभियान अब सिटी ब्यूटीफिकेशन को मूर्तरूप देगा एवं शहर के कोने-कोने में सौंदर्य बिखरेगा। आर्टिस्ट ग्रुप आफ कोरबा के कलाकार नगर निगम के सहयोग से शहर के मुख्य मार्गो, संपर्क सड़कों, चैक-चैराहों, सार्वजनिक स्थलों एवं उपेक्षित पड़े स्थानों पर ब्रश व रंगों के माध्यम से थीम आधारित पेंटिंग कर अपनी कला का जादू बिखरेगें तथा शहर को नया लुक देंगे। सुभाष चैक से कोसाबाड़ी की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग की दीवाल पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने ब्रश उठाकर पेंटिंग की तथा '' क्रिएटिव कार्नर '' की शुरूआत हुई।

नगर पालिक निगम कोरबा व आर्टिस्ट ग्रुप आफ कोरबा की संयुक्त पहल '' क्रिएटिव कार्नर '' अभियान प्रारंभ किया गया है, इसके तहत निगम द्वारा कोरबा के स्थानीय कलाकारों को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जा रहा है, शहर के मुख्य मार्गो, संपर्क सड़कों, चैक-चैराहों सहित ऐसे स्थान जो बरसों से उपेक्षित पड़े हुए थे, इन स्थलों पर थीम आधारित चित्रकारी व पेंटिंग कर स्थलों को सजाया, संवारा जाएगा, जिससे शहर को एक नया लुक मिलेगा, सिटी ब्यूटीफिकेशन को दिशा मिलेगी, इससे एक ओर जहाँ शहर का सौंदर्य बढ़ेगा, वहीं पेंटिंग व चित्रों के माध्मय से आम लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, प्रदूषण से मुक्ति, शहर की स्वच्छता तथा इन सब में उनकी सहभागिता का संदेश व प्रेरणा मिलेगी। इस अभिनव योजना '' क्रिएटिव कार्नर '' की शुरूआत आज सुभाष चैक से कोसाबाड़ी की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित दीवाल पर चित्रकारी व पेंटिंग के माध्यम से की गई। आर्टिस्ट ग्रुप आफ कोरबा के सदस्यों की उपस्थिति में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने ब्रश को थामा तथा वाल पर पेंटिंग कर अभियान की शुरूआत कराई।

सबके सहयोग से कोरबा बनेगा नम्बर वन - इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि निगम का हमेशा प्रयास रहा है कि हमारा कोरबा शहर स्वच्छ व सुंदर बने, आर्टिस्ट ग्रुप आफकोरबा भी हमारे इस उद्देश्य में आज शामिल हो चुका है, ग्रुप के सदस्य केारबा को सुंदर स्वरूप देने में अपना सहयोग दे रहे हैं। उन्होने कहा कि हमारा कोरबा स्वच्छता के क्षेत्र में देश में अभी 08 वें नम्बर पर हैं, किन्तु हम कोरबा के नागरिकबंधुओं के सहयोग से अपने शहर को देश में नम्बर 01 पर लाने में सफल होंगे, उन्होने कहा कि मुझे इस बात की अत्यंत प्रसन्नता है कि हमारे निगम आयुक्त अत्यंत ऊर्जावान है तथा शहर को साफ-सुंदर व व्यवस्थित रखने के लिए वे लगातार कार्य कर रहे हैं।

क्रिएटिव कार्नर आर्टिस्टों का प्लेटफार्म - इस अवसर पर आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि हमारे कोरबा के आर्टिस्ट अत्यंत क्षमतावान हैं, जरूरत थी कि उनकी क्षमता को सामने लाने हेतु उन्हें प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाए, आर्टिस्ट ग्रुप के सदस्यों से मेरी चर्चा हुई, हमने साथ मिलकर सिटी ब्यूटीफिकेशन पर काम करने का निर्णय लिया, परिणाम स्वरूप '' क्रिएटिव कार्नर '' के रूप में कोरबा के स्थानीय कलाकारों को एक प्लेटफार्म मिला, आज इसकी शुरूआत हो चुकी है।

बालको में अव्यवस्थित ठेला-गुमटी व्यापार पर कार्रवाई की मांग

0 नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने आयुक्त को लिखा पत्र..

कोरबा

नगर पालिक निगम कोरबा के बालको क्षेत्र में सड़क किनारे अनियंत्रित तरीके से लगाए जा रहे ठेला, गुमटी और फुटकर दुकानों के व्यवस्थित पुनर्स्थापन को लेकर नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने आयुक्त को पत्र लिखकर उचित कदम उठाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि बालको के विभिन्न चैकदृचैराहों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थलों पर लंबे समय से फुटकर व्यवसायी दुकानें लगाकर स्थानीय अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को सुविधाएं प्रदान करते आ रहे हैं। लेकिन सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। विशेष रूप से परसाभाठा चैक, थाना क्षेत्र, सिविक सेंटर, बस स्टैंड, गायत्री मंदिर, बैंक परिसर और सेक्टर-05 मार्केट क्षेत्र में व्यवसायियों के कारण यातायात बाधित होता है। कृपाराम साहू ने सुझाव दिया है कि कोरबा, कोसाबाड़ी और बुधवारी बाजार की तर्ज पर बालको में भी इन फुटकर व्यवसायियों को सुनियोजित रूप से व्यवस्थित किया जाए। इसके लिए भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (ठ।स्ब्ब्) को परसाभाठा बाजार, कर्म ऑफिस के सामने, बैंक और बस स्टैंड क्षेत्र तथा सिविक सेंटर डेली मार्केट के पास उचित स्थानों पर शेड या दुकान निर्माण कराने के निर्देश देने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित शेड और स्थान मिलने से न केवल व्यवसायियों का काम सुरक्षित होगा, बल्कि यातायात दबाव भी कम होगा और दुर्घटनाओं पर लगाम लगेगी। नेता प्रतिपक्ष ने आयुक्त से मामले में शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने की अपेक्षा व्यक्त की है।

कलेक्टर ने दीपका विस्तार परियोजना अंतर्गत अर्जित भूमि में खरीदी बिक्री व नामांतरण पर रोक लगाने के दिए निर्देश

हरदीबाजार, सरइसिंगार, रेंकी, कटकीडबरी व नवापारा में भूमि खरीदी, बिक्री, रजिस्ट्री, नामांतरण पर लगा रोक

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत ने दीपका विस्तार परियोजना अंतर्गत कोयला धारक क्षेत्र के तहत स्वीकृत 40 मिलियन टन कोयला उत्पादन हेतु ग्राम हरदीबाजार (भाग), सरइसिंगार (भाग), रेंकी (भाग), कटकीडबरी (भाग), एवं नवापारा (भाग) का कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 के तहत उक्त ग्रामों की भूमियों का खरीदी बिकी, रजिस्ट्री, नामांतरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए है। जारी निर्देशानुसार एसईसीएल दीपका क्षेत्र द्वारा दीपका विस्तार परियोजना अंतर्गत कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 के तहत स्वीकृत 40 मिलियन टन कोयला उत्पादन हेतु ग्राम हरदीबाजार (भाग), सरइसिंगार (भाग), रेंकी (भाग), कटकीडबरी (भाग), एवं नवापारा (भाग) की कुल भूमि रकबा 607.118 हेक्टेयर का अर्जन हेतु धारा सेक्शन 9 (प), एस.ओ.क्र. 5445 (अ) का प्रकाशन 26 नवम्बर 2025 को किया जा चुका है। कलेक्टर ने इस सम्बंध में छत्तसीगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त निर्देश के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटघोरा एवं पाली, जिला पंजीयक कोरबा, तहसीलदार दीपका व हरदीबाजार को वर्णित ग्रामों की अर्जित भूमियों का खरीदीध्बिक्री।

कोसाबाड़ी के बाद अब बुधवारी बाजार क्षेत्र होगा अतिक्रमणमुक्त

पार्किंग एरिया में बन रहा वेंडिंग जोन

सड़क किनारे लगने वाले ठेले-गुमटी किए जाएंगे शिफ्ट, सौंदर्यीकरण से हट जाएगा ग्रहण

कोरबा। शहर के कोसाबाड़ी क्षेत्र में नगर निगम ने पार्किंग एरिया में वेंडिंग जोन बनाकर सड़क किनारे अतिक्रमण कर लग रहे ठेले-गुमटी को वहां शिफ्ट करा दिया। इसके बाद अब जल्द ही बुधवारी बाजार से लेकर घंटाघर चैक तक सड़क अतिक्रमणमुक्त हो जाएगा। क्योंकि उक्त क्षेत्र में सड़क किनारे लगने वाले ठेले-गुमटी को विस्थापन देकर हटाने के लिए नगर निगम द्वारा बुधवार बाजार के पास पार्किंग एरिया में वेंडिंग जोन का निर्माण कराया जा रहा है। दरअसल बुधवारी बाजार से लेकर घंटाघर चैक के आसपास तक सड़क किनारे समेत फुटपाथ पर करीब 40 ठेले-गुमटी लग रहे हैं, जिसमें मोबाइल सामग्री, कपड़ा दुकान व नाश्ता दुकान लगाने वाले व्यापारी ज्यादा है। नगर निगम द्वारा सर्वे के बाद ऐसे व्यापारियों के लिए करीब 40 दुकान का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ठेले-गुमटी चलाने वाले व्यापारियों को वहां दुकान आवंटित करके सड़क व फुटपाथ को अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा।

नए साल में हो पाएगी दुकानों की शिफ्टिंग कोसाबाड़ी में बने वेंडिंग जोन में ठेले-गुमटी संचालकों को दुकान आवंटन 2 माह पहले किया गया, जिसके बाद वहां दुकाने लगने लगी है। पार्किंग स्थल के सामने का हिस्सा खाली हो चुका है जिससे सौंदर्यीकरण नजर आने लगा है। वहीं बुधवारी बाजार के पास वेंडिंग जोन का निर्माण इस साल के अंत तक ही पूरा हो पाएगा, ऐसे में नए साल में ही बुधवारी बाजार से लेकर घंटाघर तक अतिक्रमण कर लगे ठेले-गुमटियों की वहां शिफ्टिंग हो सकेगी।

निगम की प्लानिंग से आबाद होगी पार्किंग - मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत शहर में सीएसईबी चैक से जैन चैक (बुधवारी) होते हुए आईटीआई चैक से कोसाबाड़ी चैक तक गौरव पथ का निर्माण 36 करोड़ 55 लाख रुपए में होगा। वहीं नगर निगम द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण अभियान के तहत कोसाबाड़ी चैक से घंटाघर होते हुए जैन चैक तक विशेष कार्य किए जाएंगे। जिसके तहत ही

बढ़े समर्थन मूल्य और सुविधाजनक खरीदी व्यवस्था ने किसानों की आय में बढ़ोतरी का दिया विश्वास

छोटे खेत से बड़ा सम्मान, विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसान का मान

कोरबा संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। सर्वाधिक समर्थन मूल्य, माइक्रो एटीएम, त्वरित भुगतान प्रणाली, ऑनलाइन टोकन, उपार्जन केंद्रों में सुव्यवस्थित व्यवस्था और बेहतर सुविधा की मजबूती जैसे प्रयासों ने किसानों के मन में सरकार के प्रति विश्वास को और सुदृढ़ किया है। सरकार का लक्ष्य है कि हर किसान बिना किसी कठिनाई के अपनी उपज बेच सके तथा उसे मेहनत का पूरा और पारदर्शी मूल्य मिल सके।

गाँव तालापार के किसान श्री बसंत सोनी उन अनेक किसानों में से एक हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की पारदर्शी और सुविधाजनक धान खरीदी व्यवस्था का लाभ उठाते हुए अपनी मेहनत की उपज को सम्मानजनक मूल्य पर बेचा है। 45 डिसमिल भूमि में खेती करने वाले श्री सोनी इस वर्ष कुल 8 क्विंटल 80 किलोग्राम धान लेकर बक्साही उपार्जन केंद्र पहुँचे।

श्री सोनी बताते हैं कि पिछले वर्ष भी उन्होंने लगभग इतनी ही उपज विक्रय की थी, उनका कहना है कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिला जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी, वे कहते हैं छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों के लिए जो व्यवस्थाएँ की हैं, वे वास्तव में सराहनीय हैं। उपार्जन केंद्र में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होती। तौल समय पर हो जाती है और भुगतान भी जल्दी मिल जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जो मूल्य बढ़ाया है, वह हम किसानों के लिए बड़ी राहत है। प्रक्रिया के दौरान उन्हें केंद्र में सुचारू तौल सुविधा, माप-तौल में शुद्धता, प्रतीक्षा के दौरान पेयजल एवं बैठने की व्यवस्था तथा टोकन प्रणाली के माध्यम से भीड़ रहित संचालन जैसी व्यवस्थाएँ मिलीं। इन सब सुविधाओं ने उपज विक्रय को सरल और पारदर्शी बना दिया।

उन्होंने आगे बताया कि इस बार की बेहतर कीमत से उनकी खेती में निवेश बढ़ेगा। वे आने वाले मौसम में अधिक उत्पादन हेतु आधुनिक कृषि तकनीक और गुणवत्तापूर्ण बीजों का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि कृषि उत्पादकता भी मजबूत होगी।

कोयला परिवहन के लिए जिला प्रशासन से सुरक्षित व वैकल्पिक सड़क उपलब्ध कराने की मांग

कोरबा । एसईसीएल की कोयला खदानों से कोयला ढोने वाले ट्रक-ट्रेलर मालिक एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से सुरक्षित व वैकल्पिक सड़क उपलब्ध कराने की मांग की है। इस मसले को लेकर एसोसिएशन ने सोमवार को तिलक भवन में मीडिया से चर्चा की। एसोसिएशन की ओर से सुबोध सिंह ने कहा कि उरगा से कनकी के बीच हसदेव नदी पर स्थित पुल टूट गया है। प्रशासन ने इस पुल को गाड़ियों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। यहां से आने-जाने पर रोक लगा दी है लेकिन जो वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराया गया है उसकी स्थिति ठीक नहीं है। रिसदी चैक के पास ढेंगुर नाला पर स्थित पुल की हालत जर्जर है। यह पुल कभी भी धंसक सकता है। अपनी समस्याओं को लेकर ट्रांसपोर्टरों ने कहा है कि जिला प्रशासन उन्हें सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराए या जर्जर सड़क के कारण होने वाले हादसों की. जिम्मेदारी ले। ट्रांसपोर्टरों ने अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन के आला अधिकारियों से मुलाकात की और अपनी समस्याओं को बताया।

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों का सीधा लाभ इस वर्ष कबीरधाम जिले में धान खरीदी व्यवस्था में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। टोकन तुंहर हाथ ऐप ने किसानों को घर बैठे ही सरलता से टोकन प्राप्त करने की सुविधा दी है, जिससे खरीदी केंद्रों में अनावश्यक भीड़, भागदौड़ और प्रतीक्षा जैसी समस्याएँ लगभग समाप्त हो गई हैं। केंद्रों में बारदाना उपलब्धता, तौल, भंडारण और भुगतान की सभी व्यवस्थाएँ इस बार पहले से कहीं अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और समयबद्ध हैं।

ज्ञान के अभियान में आमजन की भागीदारी, अब तक 62 सौ से अधिक पुस्तकें दान

पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, डीएफओ लोकनाथ पटेल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में स्मृति पुस्तकालय योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत डाइट अभ्यास शाला, शंकर नगर रायपुर की शिक्षिका प्रिया जोशी ने जिला प्रशासन को प्रतियोगी परीक्षा तथा इंग्लिश डिक्शनरी की 15 पुस्तकें दान की। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह यह पुस्तकें ग्रहण की तथा दानदाता को सम्मान पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की। जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ इस योजना के तहत दानदाताओं द्वारा 6 हजार 200 से अधिक पुस्तकें दान में दी जा चुकी है। ये पुस्तकें जरूरतमंद के भविष्य निर्माण में लाभकारी साबित होगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे आगे आकर पुस्तक दान करें और ज्ञान के इस अभियान में सहभागी बनें। पुस्तकें एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान करने के लिए लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना, रोजगार अधिकारी केदार पटेल से मोबाइल नंबर 9406049000 पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, डीएफओ लोकनाथ पटेल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गाईडलाइन दरों को लेकर फैल रहे भ्रम पर राज्य सरकार ने दी व्यापक स्पष्टता

रायपुर । वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड छत्तीसगढ़ द्वारा स्वीकृत नई गाईडलाइन दरों को लेकर आमजन के बीच उत्पन्न हो रहे भ्रम को दूर करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने विस्तृत जानकारी जारी की है। शासन ने स्पष्ट किया है कि नई गाईडलाइन दरें न केवल अधिक सरल और वैज्ञानिक हैं, बल्कि इनके माध्यम से पुराने वर्षों से चली आ रही विसंगतियों का समाधान भी किया गया है। सरकार ने बताया कि कुछ स्थानों पर यह गलत भ्रम फैलाया जा रहा है कि गाईडलाइन दरों में अत्यधिक वृद्धि की गई है या दस्तावेज पंजीयन प्रक्रिया बाधित हो गई है, जबकि वास्तविक स्थिति यह है कि नवीन गाईडलाइन 20 नवंबर 2025 से प्रभावी हो चुकी है और इस अवधि में कांकेर जिले में लगभग 98 दस्तावेजों का पंजीयन सुचारू रूप से किया जा चुका है। जिले के सभी उप-पंजीयक कार्यालयों में पूर्ववत नियमित रूप से पंजीयन का कार्य जारी है। नगरीय क्षेत्रों में व्यापक सरलीकरण पूर्व में एक ही वार्ड में कई कंडिकाओं के कारण समान भौगोलिक और व्यावसायिक स्थिति होने के बावजूद दरों में अंतर पाया जाता था, जिससे नागरिकों में असंतोष था। नवीन सर्वे, भौतिक सत्यापन तथा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बाद इन कंडिकाओं को कम किया गया है और दरों को समान किया गया है। कांकेर नगर पालिका के 21 वार्डों में पहले 56 कंडिकाएं थीं, जिन्हें घटाकर 26 कर दिया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ और पंखाजूर की कुल 253 कंडिकाओं को कम कर 105 किया गया है। सरकार का मानना है कि इससे गाईडलाइन अब अधिक पारदर्शी और वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित हो गई है। दर वृद्धि संबंधी भ्रांति का समाधान राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में अंतिम बार गाईडलाइन दरों का पुनरीक्षण वर्ष 2019-20 में किया गया था। छह वर्षों बाद किए जा रहे इस पुनरीक्षण में नगरीय क्षेत्रों में मात्र 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि स्वाभाविक और तार्किक है। यदि दरों को हर वर्ष बढ़ाया जाता, तो वर्तमान दरें कहीं अधिक होतीं। अतः अत्यधिक वृद्धि की बात निराधार है। ई-पंजीयन प्रणाली पूरी तरह सुचारू कुछ लोगों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नई गाईडलाइन ऑनलाईन अपडेट न होने से दस्तावेज पंजीयन ठप हो गया है, जबकि तथ्य यह है कि जिले के सभी उप-पंजीयक कार्यालयों में पंजीयन का कार्य निर्बाध रूप से चल रहा है और किसी भी प्रकार की व्यवधान की स्थिति नहीं है। दर पुनरीक्षित न होने से होने वाली समस्याओं का उल्लेख सरकार ने कहा है कि पुरानी गाईडलाइन दरें जारी रहने से काले धन के लेनदेन को प्रोत्साहन मिलता है। कई बार वास्तविक सौदा मूल्य अधिक होने के बावजूद पंजीयन पुरानी गाईडलाइन दरों पर किया जाता है, जिसके कारण अंतर की राशि काला धन बनती है और बाद में विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। इसी प्रकार पुरानी दरों के कारण संपत्तियों का मूल्यांकन कम होता है, जिससे खरीदारों को ऋण पात्रता भी कम मिलती है। मुआवजे के निर्धारण में भी विसंगतियां सामने आती हैं। सरकारी अधिग्रहण की स्थिति में पुराने दरों के आधार पर मुआवजा तय होने से भूमि मालिकों।

रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित भविष्य गढ़ने में सहायक होगा : मुख्यमंत्री विष्णुदेव

रायपुर 10 दिसंबर (आरएनएस)।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों के मध्य रक्षक पाठ्यक्रम के लिए एमओयू संपन्न हुआ। बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।÷ उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि कई बार बच्चे भूलवश या भ्रमित होकर गलत दिशा में चले जाते हैं क्योंकि वे अबोध होते हैं। ऐसे बच्चों को सही मार्ग पर लाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है। किसानों के बकाया बोनस, महिलाओं के लिए

महतारी वंदन योजना और सबके लिए आवास जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों को साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि 350 से अधिक प्रशासनिक सुधार लागू कर छत्तीसगढ़ सुशासन के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है और इसी उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना भी की गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रक्षक पाठ्यक्रम को रिकॉर्ड समय में तैयार करने और विश्वविद्यालयों में इसे लागू करने के लिए आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। बच्चों से भिक्षावृत्ति कराना, परित्यक्त बच्चों का पुनर्वास, और संवेदनशील मामलों का समाधान– ये सभी अत्यंत चुनौतीपूर्ण विषय हैं। उन्होंने कहा कि ÷यह पाठ्यक्रम संवेदनशील, सजग और सेवा-भावयुक्त युवा तैयार करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इसे राष्ट्रीय स्तर का नवाचार बताते हुए कहा कि भविष्य में छत्तीसगढ़ इस क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने पाठ्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने आयोग और सभी छह विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम लागू करने हेतु बधाई दी।

यह एक वर्षीय स्नातकोत्तर पीजी डिप्लोमा इन चाइल्ड राइट्स एंड प्रोटेक्शन

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई-दुर्ग में प्रारम्भ होगा।

क्या है रक्षक पाठ्यक्रम

प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में अब तक ऐसा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं था, जो युवाओं को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस आवश्यकता को देखते हुए आयोग द्वारा रक्षक ङ्क बाल अधिकार संरक्षण पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है। इस पाठ्यक्रम से युवाओं को सैद्धांतिक एवं विधिक ज्ञान, विभागीय योजनाओं, संस्थाओं और प्रायोगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ, बाल संरक्षण इकाइयों आदि के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध होगी।संवेदनशीलता, जागरूकता और बाल-अधिकारों की आत्मिक समझ विकसित करने वाला यह पाठ्यक्रम युवाओं को इस क्षेत्र में कुशल, समर्पित और प्रभावी मानव संसाधन के रूप में तैयार करेगा। आयोग द्वारा पाठ्यक्रम के संचालन, प्रशिक्षण, परामर्श और मार्गदर्शन की संपूर्ण सुविधा विश्वविद्यालयों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, ,पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से कुलसचिव प्रो शैलेंद्र पटेल,प्रो ए के श्रीवास्तव,संत गहिरा गुरु विश्विद्यालय सरगुजा कुलपति प्रो राजेंद्र लाकपाले, कुलसचिव श्री शारदा प्रसाद त्रिपाठी, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति एवं रायपुर संभाग आयुक्त श्री महादेव कावरे, कुलसचिव श्री सुनील कुमार शर्मा,आंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर कुलपति डॉ. टी.रामाराव कुलसचिव डॉ. रूपाली चौधरी, एमिटी विश्वविद्यालय रायपुर कुलपति डॉ. पीयूष कांत पाण्डेय, कुलसचिव डॉ. सुरेश ध्यानी,श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई दुर्ग चांसलर डॉ.आई.पी. मिश्रा, कुलपति डॉ ए. के झा एवं डॉ जया मिश्रा, आयोग के सचिव प्रतीक खरे सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जयस्तंभ चौक में किया शहीद वीर नारायण सिंह के त्याग और संघर्ष का स्मरण

रायपुर । छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और जननायक अमर शहीद वीर नारायण सिंह की पुण्यतिथि पर आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित जयस्तंभ चौक पहुँचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह का जीवन त्याग, साहस और न्याय की अनुपम मिसाल है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया, वह छत्तीसगढ़ की गौरवमयी विरासत का स्वर्णिम अध्याय है। मातृभूमि की रक्षा और समाज के वंचित वर्गों के प्रति उनकी निष्ठा हमारे लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सोनाखान के ज़मींदार परिवार में जन्म लेने के बाद भी शहीद वीर नारायण सिंह का हृदय सदैव आदिवासियों, किसानों और गरीब परिवारों के दुःख-संघर्ष से जुड़ा रहा। वर्ष 1856 के विकट अकाल में जब आमजन भूख से व्याकुल थे, तब उन्होंने मानवता को सर्वोपरि मानते हुए अनाज गोदाम का अनाज ज़रूरतमंदों में बाँटकर करुणा, त्याग और साहस का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। यह कदम केवल विद्रोह नहीं था, बल्कि सामाजिक अन्याय, शोषण और असमानताओं के विरुद्ध एक ऐतिहासिक उद्घोष था।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक ली - विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण, धान खरीदी और खाद्यान्न गुणवत्ता की की विस्तृत

दुर्घटना में घायल बीएलओ को दी गई आर्थिक सहायता राशि

सभी एसडीएम और खाद्य विभाग राइस मिल, राशन दुकान का करें निरिक्षण - डॉ. गौरव सिंह

खराब चावल की शिकायत आने पर कार्यवाही के दिए निर्देश

रायपुर । कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज समय-सीमा की महत्वपूर्ण बैठक लेते हुए विभिन्न विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण , धान खरीदी व्यवस्था, जन दर्शन कॉल सेंटर से प्राप्त आवेदनों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में कहा कि अगले चरण की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली जाएँ। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों की समग्र समीक्षा कर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि पुनरीक्षण कार्य समयबद्ध और त्रुटिरहित रूप से संपन्न हो। बैठक में बीएलओ लक्ष्मी उईके को रेडक्रॉस सोसाइटी की तरफसे 40 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। गौरतलब है कि श्रीमती उईके पश्चिम विधानसभा बूथ क्रं. 65 की बीएलओ है जो एसाआई कार्य के दौरान दुपहिया वाहन के ठोकर लगने से घायल हो गई थी। बैठक में धान खरीदी की स्थिति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न आए और खरीदी कार्य पूरी तरह सुव्यवस्थित, पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित हो। उन्होंने केंद्रों में व्यवस्था, सुविधाओं और भीड़ प्रबंधन को और मजबूत करने को कहा। खाद्य विभाग को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कहीं भी खराब चावल अथवा गुणवत्ता की शिकायत प्राप्त होने पर उसकी तत्काल जानकारी संकलित कर जांच की जाए और शिकायत करने पर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने गुणवत्ता संबंधी विषयों पर सख्ती बरतने को कहा। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में राशन दुकानों की

डुबान क्षेत्र, वन अधिकार पट्टाधारी और छुटे हुए किसान करा सकेंगे पंजीयन

कृषि मंत्री रामविचार के निर्देश पर हुई पंजीयन की तिथि में वृद्धि

रायपुर । किसान अपने रकबे और फसल आदि के बारे में जानकारी एग्रीस्टैक पोर्टल में अब 15 दिसम्बर तक दर्ज करा सकेंगे। कृषि विकास एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समिति लॉगिन की सुविधा के लिए सभी कलेक्टरों और संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए गए है। साथ ही कैरीफारवर्ड, डूबान-वन पट्टाधारी कृषकों के पंजीयन सुविधा के दृष्टिगत रखते हुए पंजीयन की तारीख को 15 दिसम्बर 2025 तक बढ़ा दी गई है।

गौरतलब है कि कृषि मंत्री राम विचार नेताम द्वारा एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन को लेकर आ रही विभिन्न दिक्कतों के मद्देनजर विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने निर्देश दिए गए थे। इस संबंध में मंत्रालय महानदी भवन से जारी पत्र में एग्रीस्टैक पोर्टल एवं एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन और तकनीकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए तहसीलदारों एवं समितियों अंतर्गत कृषि विभाग के नोडल अधिकारियों से अपेक्षा की गई है। एग्रीस्टैक पोर्टल एवं एकीकृत किसान पोर्टल से संबंधित तकनीकी समस्या पर खाद्य विभाग, राजस्व विभाग, संचालनालय कृषि एवं एन.आई.सी. के समन्वय से सभी आवश्यक कार्यवाही की जाए।

गौरतलब है कि कुछ जिलों में पंजीयन विवरण में कुछ कृषकों के खसरों में एकीकृत किसान पोर्टल में फसल प्रविष्टि प्रदर्शित नहीं होने की जानकारी के साथ ही यह भी बताया गया था कि इसे सुधारने का विकल्प एकीकृत किसान पोर्टल के आईडी में उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार पंजीकृत कृषकों के फौत होने के पश्चात उनके वारिसानों हेतु वारिसान पंजीयन का विकल्प उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा महाल ग्रामों के खसरें का डाटा एग्रीस्टैक से नही मिलने की समस्या आ रही थी।

रायपुर साहित्य उत्सव 2026 :कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए सभी जिलों में होगीं कविता-कहानी प्रतियोगिताएं

रायपुर। नवा रायपुर में अगले महीने होने वाले साहित्य उत्सव के पहले प्रदेश के सभी जिलों में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए कहानी एवं कविता प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। इन दोनों प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर विजेताओं को पुरस्कार भी मिलेंगे। जिले के विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में शामिल किया जायेगा और सर्वोत्कृष्ट कहानी तथा कविता को रायपुर साहित्य उत्सव में पुरस्कृत किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के लिये जिलेवार नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं।

प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के इच्छुक छात्र-छात्राएं अपनी स्वरचित कविता और कहानी 30 दिसंबर 2025 तक जिले के नोडल अधिकारी कार्यालय में जमा करा सकते हैं। 30 दिसंबर के बाद मिली कहानियों-कविताओं को प्रतियोगिता में शामिल नहीं

किया जायेगा। प्रदेश की समृद्धशाली साहित्यिक विरासत को लोगों तक पहुंचानें और साहित्य लेखन में युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए नवा रायपुर में 23-25 जनवरी 2026 तक रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन होगा।

साहित्य उत्सव के तहत जिलेवार महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए आयोजित होने वाली कविता-कहानी प्रतियोगिताओं में पहले पुरस्कार के रूप में 5,100 रूपए, दूसरे पुरस्कार के रूप में 3,100 रूपए और तीसरे पुरस्कार के रूप में 1,500 रूपए की धनराशि दी जाएगी। इसी तरह दोनों प्रतियोगिताओं में 1000-1000 रूपए के तीन-तीन प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जायेंगे। जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त कहानी-कविताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल किया जायेगा। राज्य स्तर पर पहले पुरस्कार के रूप में 21,000 रूपए, दूसरे पुरस्कार के रूप में 11,000 रूपए और तीसरे पुरस्कार के रूप में 7,000 रूपए की धनराशि दी जाएगी। इसी तरह दोनों प्रतियोगिताओं में राज्य स्तर पर 5,100-5,100 रूपए के तीन-तीन प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जायेंगे।

प्रतियोगिता में शामिल की जाने वाली कविता न्यूनतम 8 छंदों की मौलिक, अप्रकाशित तथा टंकित होनी चाहिए। इसी तरह कहानी 1200 शब्दों में मौलिक, अप्रकाशित और टंकित होनी चाहिए। प्रतिभागी किसी महाविद्यालय-विश्वविद्यालय का विद्यार्थी हो एवं उसकी आयु 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 अंतर्गत प्रशिक्षण सह कार्यशाला संपन्न

रायपुर । महिलाओं की सुरक्षा एवं अधिकारों को सुदृढ़ करने हेतु महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 पर आधारित प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन आज रेडक्रॉस सभाकक्ष, कलेक्टोरेट परिसर, रायपुर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिप्टी कलेक्टर तुलसी राठौर ने की। कार्यशाला में स्थानीय शिकायत समिति के अध्यक्ष एवं विभिन्न शासकीय/अशासकीय विभागों में गठित आंतरिक शिकायत समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। सबसे पहले जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग शैल ठाकुर ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों में गठित आंतरिक शिकायत समितियों को सक्रिय रूप से कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया तथा अधिनियम की मुख्य प्रावधानों पर संक्षिप्त चर्चा की। मनोचिकित्सक श्रीमती राशि अग्रवाल ने कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न के मनोवैज्ञानिक प्रभावों जैसे चिंता, अवसाद, आत्मसम्मान में कमी, कार्य प्रदर्शन में गिरावट, सुरक्षा संबंधित भ्रम आदि के बारे में अवगत कराया। उन्होंने पीड़ितों को सहज वातावरण प्रदान करने एवं समिति द्वारा संवेदनशील रवैया अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। परामर्शदाता चंद्रिका कौशल ने बताया कि पीड़ित महिलाएँ 21 दिवस के भीतर अपनी शिकायत आंतरिक या स्थानीय समिति में दर्ज करा सकती हैं। समिति द्वारा प्राप्त प्रकरण का निराकरण 90 दिवस के भीतर किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कार्यस्थल पर परिवार जैसा सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के महत्व पर भी चर्चा की। विधि विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत कुमार ने अधिनियम की कानूनी पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए जानकारी दी कि केंद्र सरकार द्वारा यौन उत्पीड़न के मामलों की गंभीरता को देखते हुए न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा समिति गठित की गई थी। समिति की सिफारिशों एवं विशाखा दिशा-निर्देशों के आधार पर वर्ष 2013 में यह अधिनियम बनाया गया। सहायक संचालक अतुल दाण्डेकर ने ''शी-बॉक्स'' ऑनलाइन पोर्टल के उपयोग और महत्त्व पर विस्तृत जानकारी दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**

www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)